RNI No: DELMUL/2012/47011

20 नवंबर, 2026 शुक्रवार

नई दिल्ली
मूल्य : 01 रुपए
पृष्ठ : 08
वर्ष : 14
अंक : 332

अनोखे अंदाज और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

www.timesofpedia.com Email: timesofpedia@gmail.com



सैंडपेपर गेट मामले से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के मतभेद सामने आये: आश्विन 08

भारत अमीर देश, सफाई के मामले में 'फिसड्डी'

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी, कहा-स्वच्छता के मामले में खराब स्थिति देश की इमेज पर प्रभाव डालती है

● वेब वार्ता, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने भारत अब एक समृद्ध देश है, लेकिन खराब स्वच्छता व्यवस्था ने अन्य क्षेत्रों की प्रगति को भी बेअसर कर दिया है। शीर्ष अदालत ने कई राज्यों में ठोस कचरा प्रबंधन नियमों को प्रभावी तरीके से लागू नहीं किए जाने पर चिंता जाहिर करते हुए यह टिप्पणी की।

जस्टिस एसवीएन भट्टी और एनवी अंजारिया की पीठ ने ठोस कचरा प्रबंधन नियमों के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए गठित निगरानी समिति की रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए कहा कि देश ने अन्य क्षेत्रों में जो आर्थिक तरक्की की है, वह खराब साफ-सफाई और ठोस कचरा प्रबंधन की समस्या को हल करने में संबंधित विभागों/ नगर निकायों की विफलता के कारण बेकार हो रही है। पीठ ने कहा कि भारत अब एक समृद्ध देश है, लेकिन साफ-सफाई के मामले में इसका प्रदर्शन खराब है। अन्य क्षेत्रों में हासिल की गई तरक्की, सभी संबंधित पक्षों की इस लापरवाही के कारण पूरी तरह से बेअसर हो रही है-जबकि इस समस्या को आसानी से सुधारा जा



सकता था। शीर्ष अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि खराब स्वच्छता और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन समाज और देश की छवि पर बुरा असर डालते हैं। शीर्ष अदालत ने उदाहरण देते हुए कहा कि भारत और विदेशों में ऐसी कई अर्थव्यवस्थाएं हैं, जिन्होंने स्वच्छता और साफ-सफाई के अपने लक्ष्यों को सफलतापूर्वक हासिल किया है। शीर्ष अदालत ने 17 नवंबर को पारित अपने आदेश में कहा है। हमारे पास मौजूद संसाधनों से ऐसा करना संभव है, बशर्ते जिम्मेदार सरकारी एजेंसियां इसे सख्ती से लागू करें और नागरिक भी नियमों का पालन करें। पीठ ने ह्यसुप्रीम कोर्ट निगरानी समिति (एससीएमसी) की सभी रिपोर्टों की समीक्षा करने के बाद यह भी टिप्पणी की कि सरकारी तंत्र का हर हिस्सा मानो अपनी ही धुन में चल रहा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि नागरिकों को भी अच्छे परिणाम पाने के लिए इस लक्ष्य की दिशा में काम करना होगा। अपने आदेश में पीठ ने याद दिलाया कि संविधान में शक्तियों के पृथक्करण को एक बुनियादी ढांचे के रूप में शामिल किया गया है। इसी के तहत संसद ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 बनाया और कार्यपालिका (सरकार) ने ठोस कचरा प्रबंधन नियम, 2026 तैयार किए हैं। पीठ ने कहा कि यह अफसोस की बात है कि समाज में आम तौर पर यह सोच बन गई है कि मुझे कचरा पैदा करने का तो हक है, लेकिन ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में सहयोग करने या इसके असर को नियंत्रित करने की मेरी कोई जिम्मेदारी नहीं है।

सरकार ने गाड़ियों के पॉल्यूशन सर्टिफिकेट की वैधता बढ़ाई

केंद्र सरकार ने गाड़ियों के पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल (पीयूसी) सर्टिफिकेट की वैलिडिटी को लेकर नए नियम जारी कर दिए हैं। नए नियम के तहत बीएस-6 गाड़ियों को बड़ी राहत दी गई है। इन गाड़ियों को पहले के मुकाबले अब पीयूसी सर्टिफिकेट रिन्यू कराने के लिए ज्यादा समय मिलेगा। यानी बीएस-6 कारों और दूसरी गाड़ियों का पीयूसी 3 साल तक के लिए मान्य होगा। वहीं पुरानी गाड़ियों के लिए पॉल्यूशन चेक कराने के टाइम पीरियड को कम कर दिया गया है। राजमार्ग मंत्रालय ने 13 नवंबर को इन बदलावों को नोटिफाई किया है। वहीं छह साल से पुरानी गाड़ियों का सालाना रिन्यूअल होगा।

नई बीएस-6 गाड़ियों का पीयूसी 3 साल तक चलेगा, 6 साल से पुरानी गाड़ियों का सालाना रिन्यूअल

आग में जलने और छत के मलबे में दबकर मां और दो बेटियों की मौत

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, दो सिलेंडर फटने के धमाकों के साथ गिरी कच्चे मकान की छत

शामली : गांव कैड़ी में बीती आधी रात को एक दर्दनाक हादसे ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। शॉर्ट सर्किट से लगी आग के बाद सिलेंडर फट गया जिससे कच्चे मकान की छत गिर गई। मलबे और आग में झुलने से वहां सो रही मां और दो बेटियों की मौके पर ही मौत हो गई। उधर, तेज धमका होने के बाद ग्रामीण इकट्ठा हो गए और किसी तरह दूसरे कमरे में सो रहे युवक और दो मासूमों को बाहर निकालने के बाद आग बुझाने का काम शुरू किया। वहीं वहीं सूचना पर पुलिस अधीक्षक समेत तमाम अधिकारी व पुलिसकर्मी तथा फायर बिग्रेड कर्मचारी पहुंचे तथा राहत बचाव कार्य शुरू किया। बाबरी थाना क्षेत्र के गांव कैडी निवासी साजिद पुत्र नियाजुद्दीन बुधवार देर रात अपने परिवार के साथ मकान में सो रहा था। साजिद अपने दो पुत्र 8 वर्षीय रयान तथा 4 वर्षीय अशरफ के पास पक्का कमरे में सो रहे थे। वहीं साजिद की 34 वर्षीय पत्नी शाहिदा दो बेटियों अदन (13) तथा माहिरा (11) के साथ रसोई के पास स्थित कच्ची छत के कमरे में सो रहे थे। बताते हैं कि रात करीब 12 बजे मकान अचानक मकान में हुए शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग तेजी से फैलने के कारण रसोई में रखे सिलेंडर में आग लग गई। इतने मां बेटियों कुछ समझ पाती तेज धमाके के साथ सिलेंडर फट गया और कच्चे कमरे की छत गिर गई। किसी तरह ग्रामीणों ने साजिद और उसके दो मासूम बच्चों को बाहर निकाला। इस दौरान ही वहां रखा दूसरा सिलेंडर भी फट गया। धमाके के बाद मकान में आग विकराल हो गई और शाहिदा व उसकी बेटियों अदन व माहिरा की आग में झुलने से मलबे में दबने से मौत हो गई।



1-मृतका साईदा (फाइल फोटो)
2-मृतका बेटी अदन (फाइल फोटो)
3-मृतका बेटी माहिरा (फाइल फोटो)



सेंसेक्स	83,021.75
निफ्टी	25,514.30
	1.34 लाख
	1.67 लाख

सार संक्षेप

क्रिप्टो निवेश के नाम पर 55 लाख रुपये की ठगी

नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस ने धोखाधड़ी करने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस गिरोह ने क्रिप्टोकरेंसी (यूएसडीटी/टेथर) में निवेश के नाम पर एक व्यक्ति से 55 लाख रुपये ठग लिए थे। पुलिस ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में सक्रिय इस गिरोह के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दक्षिण-पूर्व जिले के स्पेशल स्टाफ ने अमर कॉलोनी पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 16 मोबाइल फोन, 11 सिम कार्ड, अपराध में इस्तेमाल की गई एक गाड़ी और 3 लाख रुपये बरामद किए हैं।

अनियंत्रित ट्रक ने लोगों को रौंदा, तीन की मौत

जबलपुर : मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में एक तेज रफ्तार मक्के से लदा ट्रक सड़क किनारे एक ढाबे के बाहर अलाव ताप रहे लोगों पर चढ़ गया। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा गुरुवार को नेशनल हाईवे-45 पर भेड़ाघाट थाना क्षेत्र के खैरी बांधा इलाके में 'राज फैमिली ढाबा' के पास हुआ। पुलिस के अनुसार, ट्रक शाहपुरा से जबलपुर की ओर जा रहा था, तभी ड्राइवर का वाहन से नियंत्रण खो गया। ट्रक ने पहले ढाबे के बाहर खड़ी एक बोलेरो, एक कार और एक पिकअप गाड़ी को टक्कर मारी, और फिर ठंड से बचने के लिए अलाव के पास बैठे पांच लोगों को कुचल दिया।

दंतेवाड़ा में विस्फोटक सामग्री बरामद

दंतेवाड़ा : छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत सुरक्षा बलों को एक बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षा बलों ने दक्षिण बस्तर के दूरदराज के जंगली और पहाड़ी इलाकों में माओवादियों के गुप्त ठिकानों से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद की है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों और स्थानीय मुखबिरों से मिली विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर डिस्ट्रिक्ट फोर्स और सीआरपीएफ की संयुक्त टीमों ने अभियान चलाया।

सैफ अली खान को मिली जान से मारने की धमकी

बाबा सिद्दीकी मर्डर में वांटेड जीशान के नाम से आया मैसेज

नई दिल्ली : हिंदी सिनेमा के सितारों को धमकियां मिलने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन किसी ने किसी सेलेब्स को जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आता रहता है। अब नया नाम छोटे नवाब और सुपरस्टार सैफ अली खान का शामिल हो रहा है।

सैफ को जान से मारने की धमकी मिली है और इससे सिनेमाई गलियारे में हलचल तेज हो गई है। बताया जा रहा है कि एक्टर को धमकी देने वाला बाबा सिद्दीकी के हत्याकांड से ताल्लुक रखने वाल मुख्य आरोपी है। ऑफिशियल ट्वीट में इस मामले की जानकारी दी गई है। जिसमें बताया गया है कि बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान को बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में वांछित आरोपी जीशान अख्तर से धमकी मिली है। मुंबई पुलिस इस धमकी की जांच कर रही है और यह



पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या यह सच में अख्तर की तरफ से आई है या कोई और उसके नाम का इस्तेमाल कर रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि इससे पहले अभिनेता तुषार कपूर और आयुष्मान खुराना को भी धमकियां मिल चुकी हैं। उस मामले में, पुलिस ने बेंगलुरु के रहने वाले 30 वर्षीय आईआईटी ग्रेजुएट वैभव मिश्रा को गिरफ्तार किया था, जिसने कथित तौर पर धमकियां देने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल किया था। अधिकारी ने बताया कि मिश्रा का किसी भी गिरोह से कोई संबंध नहीं है।

मोजाम्बिक की ग्रासा माशेल को इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार

नई दिल्ली: महिलाओं और बच्चों के अधिकारों के लिए लंबे समय से काम कर रहीं ग्रासा माशेल को इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण और विकास पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में सोनिया गांधी ने उन्हें यह पुरस्कार दिया। ग्रासा माशेल ने मोजाम्बिक की आजादी की लड़ाई से लेकर महिलाओं और बच्चों के अधिकारों की आवाज उठाने तक कई अहम क्षेत्रों में काम किया है। उनका जीवन सामाजिक न्याय, इंसानी सम्मान और समानता के लिए किए गए कामों से जुड़ा रहा है। यही वजह है कि उन्हें इस पुरस्कार के लिए चुना गया। इस सम्मान के जरिए उनके उस योगदान को याद किया गया, जो उन्होंने समाज के कमजोर तबके, खासकर महिलाओं और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए दिया है। ग्रासा माशेल ने कई दशकों तक सामाजिक काम किया है। उन्होंने अफ्रीकी देश मोजाम्बिक की आजादी की लड़ाई में हिस्सा लिया। इसके बाद महिलाओं और बच्चों के अधिकारों के लिए आवाज उठाई। शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए भी उन्होंने काम किया।



अब आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से भी मिली राहत

● वेब वार्ता, नई दिल्ली

ईडी की याचिका पर फिलहाल दखल देने से किया इनकार, हाईकोर्ट ने दी थी अंतरिम जमानत आजम को

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने आजम खान को अंतरिम जमानत देने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने आजम की अंतरिम जमानत पर दखल देने से इनकार कर दिया है और ईडी की याचिका का निपटारा कर दिया है। आजम खान मिली अंतरिम जमानत के खिलाफ एऊसुप्रीम कोर्ट पहुंची थी। ईडी ने आजम खान को गिरफ्तारी के आधार की जानकारी न दिए जाने के आरोप को गलत बताया था। ईडी ने उस टिप्पणी पर भी गंभीर आपत्ति जताई है जिसमें हाईकोर्ट ने आजम खान की गिरफ्तारी को दुर्भावनापूर्ण कदम करार दिया था। ईडी ने सुप्रीम कोर्ट से ये भी कहा है कि आजम खान की गिरफ्तारी की प्रक्रिया में कोई कोताही नहीं बरती गई है। ईडी ने अपनी याचिका में कहा है कि हाईकोर्ट ने हलफनामा देने का वक्त दिये ही बिना ही जल्दबाजी में फैसला दे दिया। आजम खान की अंतरिम जमानत के खिलाफ ईडी की याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस ने कहा कि यह कोर्ट इसमें दखल देने के इच्छुक नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चूंकि यह एक अंतरिम आदेश है, इसलिए हम इसमें दखल नहीं देना चाहते।



दाऊद के पुश्तैनी मकान पर रुका बुलडोजर एक्शन

मुंबई: मुंबई में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के के पुश्तैनी घर 'मुसाफिरखाना' को गिराने पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। कोर्ट ने 23 नवंबर तक इमारत की मौजूदा स्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है। यह इमारत दक्षिण मुंबई के भिंडी बाजार इलाके की पाकमोडिया स्ट्रीट पर स्थित है। बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी ने गुरुवार को ही भारी पुलिस सुरक्षा के बीच इमारत को गिराने की कार्रवाई शुरू की थी। इमारत को गिराने की कार्रवाई सड़क चौड़ीकरण से भी जुड़ी है। यह मकान मस्जिद का हिस्सा है। बीएमसी ने कहा था कि इमारत का केवल जर्जर हिस्सा गिराया जाएगा। मस्जिद नहीं तोड़ा जाएगा। बीएमसी की टीम बुलडोजर लेकर भिंडी बाजार पहुंच गई थी। दाऊद का घर मस्जिद का एक हिस्सा है। ऐसे में माहौल बिगड़ने के खतरे से बचने के लिए मौके पर काफी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। बीएमसी जर्जर बिल्डिंग को गिराकर उसका मलबा भी दूर फिंकवा रही है। हाजी इस्माइल हाजी हबीब मुसाफिरखाना नाम की यह इमारत 1939 में बनी थी। बीएमसी ने इसे जर्जर और खतरनाक घोषित करते हुए सी-1 श्रेणी में रखा था। इस श्रेणी में ऐसी इमारतें आती हैं जिन्हें खतरनाक मानकर गिराना जरूरी होता है।

खुशियां



गुरुवार को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में एक हयात होटल में आयोजित केक-मिक्सिंग समारोह के दौरान 'मिस फॉरएवर यूनिवर्स इंडिया सृजना देवी।
■ फोटो : वेब वार्ता

कनाडा की मोस्ट वांटेड लिस्ट में टॉप पर गोल्डी बराड़

नई दिल्ली: अमेरिका के बाद अब कनाडा ने भी गोल्डी बराड़ की तलाश तेज कर दी है। कनाडा ने उसे अपनी 25 मोस्ट वांटेड लोगों की सूची में पहले नंबर पर रखा है। साथ ही, उसकी पकड़ने में मदद करने वाली जानकारी देने पर 2.5 लाख कनाडाई डॉलर (करीब 1.63 करोड़ रुपये) का ईनाम दिया जाएगा। गोल्डी बराड़ पर कनाडा में हत्या का आरोप है। यह मामला सितंबर 2023 का है। कनाडा के विन्निपेग में 20 सितंबर को हेजलटन ड्राइव इलाके के एक घर पर गोलीबारी हुई थी। इस घटना में 39 साल के सुखदूल सिंह गिल उर्फ सुक्खा दुनेके की मौत हो गई थी। इस मामले में 23 फरवरी 2026 को गोल्डी बराड़ और करनबीर सिंह के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। दोनों पर फर्स्ट डिग्री मर्डर यानी गंभीर हत्या और हत्या की साजिश रचने का आरोप है। तब से पुलिस दोनों की तलाश कर रही है। गोल्डी बराड़ पर इससे पहले अमेरिका भी इनाम घोषित कर चुका है। अमेरिकी एजेंसियों ने उसकी गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी देने पर एक मिलियन डॉलर का इनाम रखा था।

पकड़वाने पर मिलेंगे 2.5 लाख डॉलर

आपकी भूख इतनी, पेट भरता ही नहीं है...

फिक्की के शताब्दी समारोह में नई भर्तियां न करने को लेकर कॉरपोरेट सेक्टर पर बरसे पीएम मोदी

● वेब वार्ता, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को उद्योग जगत से सवाल किया कि सरकार की ओर से करों में रियायत दिए जाने के बावजूद कंपनियों ने कर्मचारियों की संख्या और उनके वेतन में उसी अनुपात में वृद्धि क्यों नहीं की।

उन्होंने उद्योगों से लोगों की बढ़ी हुई क्रय शक्ति को अधिक रोजगार और आर्थिक गतिविधियों में बदलने का आह्वान किया। यहां उद्योग मंडल फिक्की की वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि सरकार ने कारोबार के अनुकूल माहौल बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें 2014 में मूल कॉरपोरेट कर की दर 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत करना, आयकर रिटर्न और रिफंड की प्रक्रिया सरल बनाना तथा कई उत्पादों पर जीएसटी की दरें कम करना शामिल है। मोदी ने उद्योग जगत के प्रमुखों से कहा कि मुझे पता है



कि आप तालियां नहीं बजाएंगे। मैं यह अच्छी तरह जानता हूं, क्योंकि आपकी अपेक्षाएं इतनी अधिक हैं कि आपको कितना भी दे दिया जाए, वह कम ही लगता है। मैंने 12 लाख रुपये तक की सालाना आय पर आयकर में राहत दी है। लेकिन क्या आपने अपने कर्मचारियों का वेतन बढ़ाया है? क्या कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई है? नहीं! आपका हमेशा यही कहना होता है कि मोदी जी, आप करिए, हम देखेंगे कि क्या होता है। इसी तरह काम चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि 12 लाख रुपये तक की सालाना आय को आयकर से छूट दिए जाने से लोगों की क्रय शक्ति बढ़ी है। इस राहत का असर मांग और कारोबार के विस्तार में दिखना चाहिए। मोदी ने उद्योग जगत के प्रमुखों से कहा कि सरकार से लगातार रियायतों की अपेक्षा करने के बजाय उन्हें अपने कर्मचारियों के लिए भी अधिक काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकास की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है। उन्होंने कहा कि कोई भी देश अपने किसानों, छोटे उद्यमियों, उद्योगों, संपत्ति सृजित करने वालों और करदाताओं का सम्मान किए बिना आगे नहीं बढ़ सकता।

मुझे मालूम है ताली नहीं बजाओगे

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और टैक्स सुधारों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने उद्योगपतियों की खामोशी पर सीधा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुझे मालूम है आप ताली नहीं बजाओगे। अच्छी तरह जानता हूं, क्योंकि आपकी भूख इतनी है कि कितना ही खिलाओ, पेट भरता ही नहीं है। पीएम मोदी ने याद दिलाया कि उनकी सरकार ने 2014 में 30 प्रतिशत रहने वाले कॉरपोरेट टैक्स को 2019 में घटाकर 22 प्रतिशत कर दिया। इतना ही नहीं, आम लोगों की क्रय शक्ति बढ़ाने के लिए 12 लाख रुपये तक की सालाना आय को भी टैक्स-फ्री किया गया। लेकिन इसके जवाब में निजी क्षेत्र ने क्या किया? प्रधानमंत्री ने सवाल दागा कि क्या आपने अपने कर्मचारियों की सैलरी बढ़ाई? क्या आपने नई भर्तियां कीं?

पूर्व सब-पोस्ट मास्टर को 5 साल की सजा और 35 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली: केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की कुरनूल स्थित सीबीआई कोर्ट ने गुरुवार को आंध्र प्रदेश के प्रोद्दतूर स्थित टाउन सब-पोस्ट ऑफिस के पूर्व सब-पोस्ट मास्टर के. कुल्लायप्पा को डाक धोखाधड़ी के एक मामले में दोषी ठहराया। कोर्ट ने उन्हें 5 साल के कठोर कारावास और 35,41,000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। सीबीआई ने 31 अक्टूबर 2016 को यह मामला दर्ज किया था। इसमें आरोपी प्रोद्दतूर के टाउन सब-पोस्ट ऑफिस के तत्कालीन सब-पोस्ट मास्टर काकरला (जिन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था), प्रोद्दतूर के हेड पोस्ट ऑफिस में 'सेविंग्स बैंक कंट्रोल के तत्कालीन प्रभारी के. मड्डुलेट तथा कुछ अज्ञात लोक सेवक और निजी व्यक्ति थे।

युवाओं में बढ़ते फास्ट फूड के प्रचलन से बढ़ता खतरा

एक जमाना था जब हमारे घरों में माताएं लकड़ी और कोयले से जलते चूल्हे पर रोटी और चावल पकाते और हम सामने बोरा बिछाकर बैठ देखते थे और पलभर में थाली में भोजन परोसा जाता था और हम ग्रहण कर बाहर प्रकृति की गोद में खटिया पर बैठकर या झाड़ों के बीच चक्कर लगाते या अपने कार्य पर चले जाते थे। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र आज भी यह देखता हूं कि यही प्रक्रिया हमारे बड़े बुजुर्गों, पिछली पीढ़ियों और कई गांव शहरों में आज भी शुरू है, और खासियत है कि ऐसे लोगों में किसी भी प्रकार की बीमारी का कोई लक्षण नहीं था, पाश्चात्य संस्कृति का कोई लक्षण नहीं था, सीमित जिंदगी और सुखी जिंदगी की वह स्थिति, आज उस ज़माने की बात करें कर कहते हैं न जाने कहां गए वो दिन इस प्रकार की पुरानी यादों की बात वरिष्ठ नागरिक करते हैं तो सुनकर बहुत आश्चर्य और अच्छा लगता है, उत्साह होता है कि ऐसी सुखी जिंदगी जीने की, यह थी टिकाऊ जीवन शैली।

साथियों बात अगर हम वर्तमान जीवन शैली की करें तो इसके लिए उपरोक्त पुरानी टिकाऊ जीवन शैली की चर्चा करना बेहद ज़रूरी था जिसकी प्रित्यक्ष रिपोर्टिंग मैंने बुजुर्गों से की इसी जीवन शैली को बहुत नजदीक से देख करके किया, मैं खुद अनेक वर्षों तक बुजुर्गों के साथ में रहा हूं।

साथियों बात अगर हम वर्तमान निष्क्रिय जीवन शैली और अस्वास्थकर आहार की करें तो वर्तमान में हम देख रहे हैं कि अनेक चाइनीस फूड, पिज़्ज़ा जैसे सैकड़ों ऐसे फास्ट फूड हैं जिसपर आहार के रूप में हमारी निर्भरता बढ़ गई है हमनें हर दिन या हर दूसरे तीसरे दिन इनको ग्रहण करने के का प्रचलन कायम कर दिए हैं।हालांकि यह फास्ट फूड ग्रहण करने का हमारा विरोध या टीकाटिप्पणी नहीं है परंतु हमारा उद्देश्य अस्वास्थ्यकर आहारों की आदत से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना है क्योंकि अगर हम दशकों पुराने ज़माने और आज के जमाने की निरंतर बढ़ती खाई, अस्वास्थ्यता, बीमारियों का प्रकोप, स्वास्थ्य स्थिरता, शारीरिक कष्ट इत्यादि सैकड़ों स्वास्थ्य खतरों की करें तो यह समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है। अगर हम खासकर वर्तमान पीढ़ी, देश का भविष्य



बच्चों और युवाओं को इस बढ़ते फास्ट फूड के प्रचलन से उत्पन्न स्वास्थ्य खतरों को रेखांकित नहीं करा पाए तो यह गैप बहुत बढ़ जाएगी और हमारी ओरिजिनल भारतीय आहार संस्कृति, टिकाऊ जीवन शैली, विलुप्तता की ओर बढ़ने लगेगी इसलिए समय आ गया है कि हम युवाओं में इसके प्रति जागरूकता अभियान चलाकर उन्हें सचेत करें।

देश की सनातन संस्कृति का ध्वजवाहक है गढ़मुकतेश्वर गंगा मेला



मनोज कुमार अग्रवाल

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गढ़ मुक्तेश्वर में कार्तिक पूर्णिमा पर लगने वाला मेला न सिर्फ पौराणिक महत्व है बल्कि सनातन संस्कृति के लिए यह मेला और यहां का पवित्र गंगा स्नान देश और दुनिया के पर्यटन के लिए भी महत्वपूर्ण स्थान बना है। आज इस मेले का स्वरूप मिनीकुम्भ बन चुका है दस किलोमीटर क्षेत्रफल से अधिक में फैला यह मेला देश दुनिया के आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कार्तिक गंगा मेला केवल स्नान करने तक ही सीमित नहीं है। कार्तिक पूर्णिमा मेला सम्पूर्ण हिन्दू समाज की एकता, भाईचारे, सांस्कृतिक विरासत और परंपरा का प्रतीक है। यहां से देश के विकास को नई दिशा मिलती है। प्रदेश के मानचित्र पर आने के बाद मेला विभिन्न क्षेत्रों में अपनी साख बढ़ा रहा है। अब मेले से प्रदेश को विकास और स्वदेशी का मूल-मंत्र मिल रहा है।

दिल्ली से 100 किमी दूर और राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 24 से लगे, गंगा के निचले तट पर स्थित गढ़ मुक्तेश्वर में कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित होने वाला नदी गंगा स्नान और यह मेला यहां अनादिकाल से आ रहा है। जबकि, महाभारत युद्ध के बाद इस स्थान का महत्व और भी अधिक बढ़ गया। कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित होने वाले इस पवित्र और प्रसिद्ध स्नान पर्व और यहां लगने वाले मेले का अतीत पांडवों और भगवान श्रीकृष्ण से भी जुड़ा है बताया जाता है कि महाभारत युद्ध के बाद गढ़ मुक्तेश्वर के गंगा तट पर भगवान श्रीकृष्ण के निर्देश पर सम्राट युधिष्ठिर ने कौरवों और पांडवों की सेना के विशाल वीर योद्धाओं और सैनिकों की आत्मा की शांति के लिए उनका तर्पण किया था। एक ओर पौराणिक साक्ष्य और तथ्य गढ़ मुक्तेश्वर के एतिहासिक सांस्कृतिक अध्यात्मिक महत्व को बयान करते हैं, वहीं आज के इतिहासकार और विद्वान भी मानते हैं कि यह स्थान द्वापर युग में भी सबसे पहले प्रसिद्ध हुआ था। क्योंकि शिवपुराण के आज के अनुसार इस गढ़मुक्तेश्वर का प्राचीन नाम शिववल्लभ हुआ, अर्थात जो भगवान शिव का ही एक प्रिय नाम है। पुराणों में समान गढ़ मुक्तेश्वर की महिमा काशी के बारे में बताया गया है, क्योंकि गढ़ मुक्तेश्वर में ही भगवान शिव ने अपनी जय और विजय नाम के गणों को महर्षि दुर्वासा के द्वारा पिशाच योनि के श्राप से मुक्ति दिलाई थी। जिसके बाद इस स्थान का नाम गणमुक्तिश्वर यानि कि गणों की मुक्ति करने वाले भगवान शिव के नाम से पड़ा था। गणमुक्तिश्वर का वह प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिर आज भी उस पौराणिक घटना का साक्षी है। लेकिन, समय के साथ-साथ आम बोलचाल की भाषा के उच्चारण के कारण यह नाम गणमुक्तेश्वर से बदल कर गढ़ मुक्तेश्वर कहलाने लगा है। त्रेता युग में भी गढ़मुकतेश्वर की महिमा का वर्णन है शिव पुराण के अनुसार इसी गढ़ मुक्तेश्वर के क्षेत्र में गंगा नदी के किनारे ही एक घना वन था, जिसे खाण्डवी वन के नाम से जाना जाता था। इसी खांडवी वन में भगवान परशुराम ने एक ऐसे ही शिवलिंग की स्थापना की थी, जो बाद में वर्ष



संप्रदाय का प्रमुख केंद्र बना और उसी शिव मंदिर के आस-पास के क्षेत्र का नाम बाद में शिव वल्लभ पुर पड़ गया।

महाभारत काल की बात करें तो त्रेता युग का यही खांडववन, द्वापर युग में यानि महाभारत के काल में खांडव वन के नाम से अस्तित्व में आया और यही खांडव वन बाद में खांडवप्रस्थ कहलाया और उसके बाद इंद्रप्रथ बना। यही खाण्डव वन हस्तिनापुर राज्य के अधीन था इसलिए पांडवों ने खांडव वन में अपना नया राज्य स्थापित किया था।सम्राट् युधिष्ठिर के निर्णय के बाद भगवान परशुराम द्वारा स्थापित शिववर्षपुर यानी गढ़ मुक्तेश्वर के मुक्तेश्वर महादेव मंदिर में पूजा और यज्ञ आदि करके मृतकों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण किया गया था। सम्राट् युधिष्ठिर ने जो निर्णय लिया उसके बाद जो तीर्थयात्रा निकली वह कार्तिक शुक्ल अष्टमी का ही दिन था। इसी दिन गौ पूजन करके गढ़ मुक्तेश्वर के समान गंगा तट पर गंगा मैदान में सम्राट युधिष्ठिर द्वारा धार्मिक संस्कार करके पिंडदान किया गया। यह देवोत्थान एकादशी है जिसे हम देवोत्थान एकादशी के नाम से भी जानते हैं। महाभारत युद्ध में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए ब्रह्माण्ड से चतुर्दशी तक यहां यज्ञ किया था, और इसके अगले दिन अर्थात पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करके कथा का आयोजन किया गया था।

अब अगर हम यहां गढ़ मुक्तेश्वर में स्थित गंगा झील के इतिहास की बात करें तो इतिहासकारों ने इस झील को ज्यादा पुराना नहीं माना है। लेकिन, फिर भी इसके बारे में बताया गया है कि, उस दौर में अखंड भारत के लाखों श्रद्धालु इस विशेष दिन पर गंगा स्नान के लिए आते थे, इसलिए यहां अच्छी-खासी धार्मिक अध्यात्मिक चहल-पहल होती थी, इसलिए उन शिष्यों की सुविधा के अनुसार यहां विशेष शिविर भी सजते और धीरे-धीरे यह एक प्रकार से वार्षिक उत्सव के रूप में आयोजित होता था। तब से लेकर आज तक यह आयोजन कार्तिक पूर्णिमा के गंगा मेले के रूप में जाना जाता है और अब तो यह उत्तर भारत में आयोजित होने वाले सबसे बड़े मेलों में से एक बन गया है।

गढ़ मुक्तेश्वर कार्तिक पूर्णिमा के स्नान के लिए हजारों वर्षों से अखंड भारत के रिश्ते जुड़े हुए हैं और आज भी पूरे भारत और विदेशों से आप्रवासी भारतीय भी स्नान के लिए आते हैं। मेला आयोजन के लिए सरकार से स्थानीय प्रशासन को भी अच्छी आर्थिक मदद दी जाने लगी। उस आय से आश्रमों के लिए यहां कई प्रकार के भवनों का भी विस्तार किया गया, कई भव्य मंदिरों और तीर्थस्थलों के अलावा आश्रमों का नवीनीकरण किया जा रहा है। लेकिन, विदेशी आक्रमणों के दौर में यहां कई बार भीषण रक्तपात और गोलीबारी की घटनाएं हुईं, कई तरह के षड्यंत्र और तांडव भी चले और कई बार यहां की मूर्तियां भी लूटी गईं। आज भले ही यहां से गंगा नदी के व्यापार मार्ग के लिए प्रयोग में नहीं लाया गया। लेकिन, यहां से बहने वाली पवित्र गंगा नदी महाभारत काल में व्यापार के लिए एक प्रमुख जलमार्ग का केंद्र हुआ करती थी। इसके अलावा यह स्थान हस्तिनापुर की राजधानी था इसलिए भी उस दौर में इस जलमार्ग का महत्वपूर्ण विकास हुआ था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की है कि इस साल ऐतिहासिक गढ़मुक्तेश्वर मेले को मिनी-कुंभ के रूप में आयोजित किया जाएगा। यह मेला उत्तर प्रदेश की गहरी आस्था, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक विरासत का जीता-जागता प्रतीक है।

जब बच्चे बोलते हैं, व्यवस्था को सुनना पड़ता है

20 नवंबर को दुनिया बाल अधिकार दिवस मनाती है। सन् 1959 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इसी दिन बाल अधिकारों की घोषणा और सन् 1989 में बाल अधिकार अभिसमय (सम्मेलन) स्वीकार किया। भारत ने बच्चों के जीवन, विकास, सुरक्षा, शिक्षा, समानता और सहभागिता के अधिकारों को मान्यता दी है। कानून और योजनाएं हैं, फिर भी क्या हर बच्चा अपना बचपन जी पा रहा है? जब एक लड़की अपना बाल विवाह रुकवाती है, जब किशोरियां माहवारी पर चुप्पी तोड़ती हैं और जब बच्चे स्कूल की दूरी, बस किराये, शिक्षकों की कमी या पीने के पानी जैसी समस्याओं को लेकर सड़क पर उतरते हैं, तब वे केवल शिकायत नहीं कर रहे होते, वे अपने अधिकारों का अर्थ समझा रहे होते हैं। ऐसे क्षणों में समाज और व्यवस्था, दोनों से सवाल पूछे जाने चाहिए कि बच्चों की आवाज आखिर कितनी सुनी जाती है और उनके लिए क्या किया जाता है?



मध्यप्रदेश में बच्चों की अपनी पहलें बताती हैं कि वे केवल योजनाओं के लाभार्थी नहीं, बल्कि बदलाव के भागीदार भी हो सकते हैं, बशर्ते उन्हें जानकारी, सुरक्षित मंच और बोलने का अवसर मिले। पूनम ने अपना विवाह रुकवाया, अब अपने पैरों पर खड़ी है भोपाल की मदर इंडिया कॉलोनी में रहने वाली पूनम (बदला हुआ नाम) की शादी परिवार ने कम उम्र में तय कर दी थी। घर में तैयारियां शुरू हो चुकी थीं, लेकिन पूनम के मन में अपने भविष्य को लेकर अलग आकांक्षाएं थीं। वह लैंगिक समानता के लिए काम करने वाली सामाजिक संस्था सरोकार के साथ बाल विवाह के विरुद्ध नुक्कड़ नाटकों में हिस्सा लेती थी। इन नाटकों में वह स्वयं लोगों को बताती थी कि कम उम्र में विवाह लड़कियों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सपनों और भविष्य को कैसे प्रभावित करता है। जब वही परिस्थिति उसके जीवन में आई, उसने परिवार से बात की, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी को फोन किया और विवाह रुकवा लिया। सरोकार की संस्थापक-सचिव कुमुद सिंह ने यह प्रसंग साझा करते हुए बताया है कि पूनम ने आगे पढ़ाई की, एमबीए पूरा किया और अब अपनी ट्रेडिंग कंपनी चला रही है। यह सरकारी योजना का आंकड़ा नहीं, जागरूकता और आत्मविश्वास की कहानी है। लेकिन कितनी पूनम अपनी शादी रोक पाती हैं? कितनी लड़कियां सामाजिक दबाव में पढ़ाई छोड़ देती हैं? बाल विवाह रोकने के लिए कानूनी कार्रवाई के साथ परिवारों, समुदायों, विद्यालयों और पंचायतों से लगातार संवाद जरूरी है। लड़कियों को ऐसा वातावरण भी चाहिए जिसमें वे अपने जीवन के फैसले ले सकें।

सुनील कुमार गुप्ता

NFHS-6 (2023-24) के अनुसार मध्यप्रदेश में 20 से 24 वर्ष आयु वर्ग की 20 प्रतिशत महिलाओं का विवाह 18 वर्ष से पहले हुआ था। NFHS-5 में यह अनुपात 23.1 प्रतिशत था। गिरावट उम्मीद जगाती है, लेकिन हर पांचवीं लड़की बाल विवाह का शिकार हुई है। चुनौती अब भी बड़ी है। कुमुद सिंह के अनुसार, कई बाल विवाह दर्ज ही नहीं हो पाते। इसलिए कानून के साथ संवाद और लड़कियों की शिक्षा में निवेश जरूरी है। माहवारी पर चुप्पी टूटे, तभी गरिमा और स्वास्थ्य का अधिकार पूरा होगा सरोकार की एक और पहल किशोरी बालिकाओं को मासिक धर्म के बारे में खुलकर बात करने का साहस देने से जुड़ी है। घर में धीमी आवाज में होने वाली बातचीत और विद्यालयों में झिझककर पूछे जाने वाले सवालों को संस्था ने संवाद का विषय बनाया। स्कूलों और बस्तियों में किशोरियों को शरीर में होने वाले बदलाव समझने, प्रश्न पूछने और बिना संकोच बोलने के लिए प्रोत्साहित किया गया। लड़कों और समुदाय को भी जोड़ा गया, क्योंकि यह चुप्पी पूरे समाज की सोच से जुड़ी है। माहवारी स्वाभाविक है, लेकिन मिथक और सुविधाओं की कमी शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मसम्मान प्रभावित करते हैं। क्या हर विद्यालय में किशोरियां भरोसे से सवाल पूछ सकती हैं? क्या घरों में पुरुष सदस्य भी इसे सामान्य प्रक्रिया मानते हैं? मासिक धर्म स्वास्थ्य का अधिकार उत्पाद उपलब्ध कराने भर से पूरा नहीं होता; जानकारी, स्वच्छ शौचालय, पानी, सम्मान और भेदभाव से मुक्ति भी जरूरी है।

दोनों पहलें बताती हैं कि लड़कियों को संरक्षण के साथ जानकारी, आत्मविश्वास और निर्णय की स्वतंत्रता भी चाहिए। आंकड़े बताते हैं बचपन की चुनौतियां: पोषण भी गंभीर सवाल उठाता है। NFHS-5 (2019-21) के अनुसार मध्यप्रदेश में पांच वर्ष से कम आयु के 35.7 प्रतिशत बच्चे अवरुद्ध विकास और 33 प्रतिशत बच्चे कम वजन की समस्या से प्रभावित थे। NFHS-6 (2023-24) की उपलब्ध राज्य तथ्य-पत्रिका में इन पोषण संकेतकों के तुलनीय आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं; इसलिए पुराने आंकड़ों को वर्तमान स्थिति बताकर पेश करना उचित नहीं होगा।

शिवपुरी के सहरिया बहुल गांवों में कुपोषण की चुनौती से निपटने के लिए विकास संवाद समिति और बाल अधिकारों पर काम करने वाली संस्था क्राय के सहयोग से समुदाय आधारित पोषण प्रबंधन के प्रयास किए गए। कई वर्षों तक चली इस पहल ने पोषण को केवल परिवार की जिम्मेदारी मानने के बजाय आंगनवाड़ी, समुदाय और सार्वजनिक व्यवस्था की साझा जिम्मेदारी बनाने पर जोर दिया। बच्चे का पोषण भोजन, स्वास्थ्य, स्वच्छता, मातृ स्वास्थ्य और आजीविका से जुड़ा है। किसी एक योजना से समस्या हल नहीं होगी; सेवाओं का समन्वय जरूरी है। शिक्षा के क्षेत्र में भी नामांकन और पढ़ाई पूरी करने के बीच दूरी बनी हुई है। UDISE+ 2024-25 के अनुसार मध्यप्रदेश में माध्यमिक स्तर पर ड्रॉपआउट दर 16.8 प्रतिशत थी, जबकि राष्ट्रीय औसत 11.5 प्रतिशत था। पढ़ाई छूटने के पीछे आर्थिक दबाव, दूरी, परिवहन, घरेलू जिम्मेदारियां और विद्यालयी सुविधाओं की कमी हो सकती है। इसे केवल पारिवारिक निर्णय मानना समस्या की जड़ से नजर हटाना है।

(लेखक-वरिष्ठ पत्रकार, स्तंभ लेखक हैं)

बचपन सुरक्षित होगा, तभी भविष्य मुस्कुराएगा

योगेश कुमार गोयल

बाल दिवस केवल भारत में ही नहीं बल्कि विश्व के अधिकांश देशों में मनाया जाता है। भारत में बाल दिवस प्रतिवर्ष 14 नवम्बर को मनाया जाता है लेकिन बच्चों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह दिवस 20 नवम्बर को मनाया जाता है। यह दिवस हमें बच्चों के अधिकारों की वकालत करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है। इस वर्ष यह दिवस 'मेरा दिन, मेरे अधिकार, मेरा भविष्य' विषय के साथ मनाया जा रहा है, जो यह सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर देता है कि सभी बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा और सुरक्षित वातावरण सहित उनके मौलिक अधिकारों तक पहुंच हो। वैश्विक स्तर पर इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दुनियाभर में बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार करना, उनकी समस्याओं को हल करना, उनके कल्याण के लिए काम करना तथा अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देना है। बाल दिवस दुनियाभर में 190 से ज्यादा देशों में मनाया जाता है और अनेक देशों में इसे मनाने की तारीखें अलग-अलग हैं। जनवरी माह से लेकर दिसम्बर तक हर माह किसी न किसी देश में बाल दिवस का आयोजन होता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 20 नवम्बर 1954 को 'विश्व बाल दिवस' मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसका उद्देश्य यही था कि इस विशेष दिन के माध्यम से अलग-अलग देशों के बच्चे एक-दूसरे के साथ जुड़ सकें, जिससे उनके बीच आपसी समझ तथा एकता की भावना मजबूत हो सके। सर्वप्रथम बाल दिवस जेनेवा के इंटरनेशनल यूनियन फॉर चाइल्ड वेलफेयर के सहयोग से विश्वभर में अक्तूबर 1953 में मनाया गया था। विश्वभर में बाल दिवस मनाए जाने का विचार वी के कृष्ण मेनन का था, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1954 में अपनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्वभर के तमाम देशों से अपील की गई थी कि वे अपनी परम्पराओं, संस्कृति तथा धर्म के अनुसार अपने लिए कोई एक ऐसा दिन सुनिश्चित करें, जो सिर्फ बच्चों को ही समर्पित हो। वैसे तो बाल दिवस मनाए जाने की शुरूआत वर्ष 1925 से ही हो गई थी लेकिन वैश्विक रूप में देखें तो इसे दुनियाभर में मान्यता मिली 1953 में। दुनियाभर में बाल दिवस के माध्यम से लोगों को बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, बाल मजदूरी इत्यादि बच्चों के अधिकारों के प्रति जगरूक करने का प्रयास किया जाता है। माना जाता है कि सबसे पहले बाल दिवस तुर्की में मनाया गया था। बहरहाल, विश्व बाल दिवस पर हमें यह समझने का अवसर प्रदान करता है कि बच्चों का भविष्य उनके आज पर निर्भर करता है, जिसके लिए हमें ही यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, बाल श्रम और शोषण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो, बच्चों को उनकी प्रतिभा को निखारने के पर्याप्त अवसर मिलें, उन्हें सुरक्षित, स्वस्थ और पोषित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। भारत में बच्चों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए कई कानून और योजनाएं लागू हैं, जिनमें बाल श्रम निषेध और विनियमन अधिनियम 1986, शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, पॉक्सो एक्ट 2012 प्रमुख रूप से शामिल हैं। मिड-डे मील योजना और आंगनवाड़ी सेवा जैसी योजनाएं भी बच्चों के पोषण और शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अपनी-अपनी सहूलियत के आधार पर विभिन्न देशों द्वारा भले ही अलग-अलग तारीखों पर बाल दिवस मनाया जाता है।

फीचर



पावरग्रिड में ट्रेनी इंजीनियर के 33 पदों पर भर्ती

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) ने नौकरी के इच्छुक युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण भर्ती की घोषणा की है।

कंपनी ने ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट)-2026 के माध्यम से प्रशिक्षु अभियंता (इलेक्ट्रॉनिक्स) के कुल 33 पदों पर रिक्तियां निकाली हैं। इन पदों के लिए उम्मीदवार 27 नवंबर तक अपनी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर सकेंगे। इच्छुक अभ्यर्थी पावरग्रिड की आधिकारिक वेबसाइट पर सक्रिय होने वाले आवेदन लिंक के माध्यम से अप्लाई कर सकते हैं। जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, कुल 33 रिक्तियों में से सामान्य वर्ग के लिए 14 पद, ओबीसी (एनसीएल) के लिए 7 पद, अनुसूचित जाति (एससी) के लिए 6 पद, अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए 3 पद और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए 3 पद निर्धारित किए गए हैं। यह उन योग्य उम्मीदवारों के लिए एक सुनहरा अवसर है जो देश के अग्रणी पावर सेक्टर की कंपनी में अपना करियर बनाना चाहते हैं। इन ट्रेनी इंजीनियर पदों पर आवेदन करने के लिए अभ्यर्थियों के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से इलेक्ट्रॉनिक्स विषय या इसके समकक्ष ट्रेड में पूर्णकालिक बीई/बीटेक/बीएससी (इंजीनियरिंग) की डिग्री होनी अनिवार्य है। इसके साथ ही, उम्मीदवारों के स्नातक में कम से कम 60 प्रतिशत अंक या समकक्ष सीजीपीए प्राप्त होने चाहिए।

आयु सीमा की बात करें तो, आवेदकों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 28 वर्ष निर्धारित की गई है, जिसकी गणना 27 नवंबर 2026 को आधार मानकर की जाएगी।

प्रेरणा

मूल्य भावना का

भगवान बुद्ध जेतवन में ठहरे हुए थे। हर सुबह वह भिक्षावृत्ति को निकलते तो उन्हें मार्ग में एक किसान अपने खेत में काम करता मिलता। अपने कार्य के प्रति उसकी निष्ठा देख बुद्ध के मन में उसके लिए करुणा उमड़ी। वह प्रतिदिन वहां रुककर उस किसान को कुछ उपदेश देने लगे। जब उस किसान की फसल तैयार हुई तो उसने संकल्प किया कि वह अपनी फसल का एक हिस्सा भगवान बुद्ध को और भिक्षु संघ को भेंट करेगा। दुर्योगवश उसी रात मूसलाधार वर्षा हुई और उसकी सारी फसल चौपट हो गई। अगले दिन जब भगवान बुद्ध वहां से गुजरे तो उन्होंने किसान को वहां रोता हुआ पाया। पूछने पर किसान उनको सारी घटना सुना कर बोला, ''प्रभु! मुझे दुख अपने नुक्सान का नहीं, वरन इस बात का है कि मैं आपकी सेवा का यह अवसर चूक गया''



बुद्ध मुस्कराए और बोले, 'भंते! मूल्य वस्तुओं का नहीं, भावनाओं का होता है। तुम्हारे हृदय में उमड़ी भावनाएं तो मुझ तक कल ही पहुंच गई थीं। इनके कारण तुम उससे ज्यादा पुण्य के भागी बन गए हो, जितना तुम उस फसल को समर्पित करके बनते। मेरा आशीर्वाद सदा तुम्हारे साथ है'' किसान की आंखें यह सुनकर नम हो उठीं।

अपनी बात



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बिजली उत्पादन के क्षेत्र में हाइड्रो पावर प्लांट और पम्प्ड हाइड्रो स्टोरेज एक नई तकनीक है। गांधीसागर में निर्मित पम्प्ड हाइड्रो स्टोरेज परियोजना की कुल लागत 11 हजार 474 करोड़ रुपए है। इसके प्रारंभ होने के बाद प्रदेश में बिजली की मांग के पीक ऑवर्स में पम्प्ड हाइड्रो स्टोरेज से 2 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा और मांग के अनुरूप तुरंत बिजली आपूर्ति की जा सकेगी।



ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि मित्र अखिलेश यादव जी! करा आए बेइज्ज़ती गोरखपुर में? कर लिया सड़कों पर तांडव? इस तांडव के बीच गोरखपुर में आपके गुंडों ने एक मासूम की जान ले ली। मंत्री राजभर ने आरोप लगाया कि सपा कार्यकर्ताओं की कूद-फांद के कारण आर्यवर्धन नामक 13 वर्षीय मासूम की जान चली गई, मासूम को रोड शो में शामिल जेसीबी ने रौंद दिया।



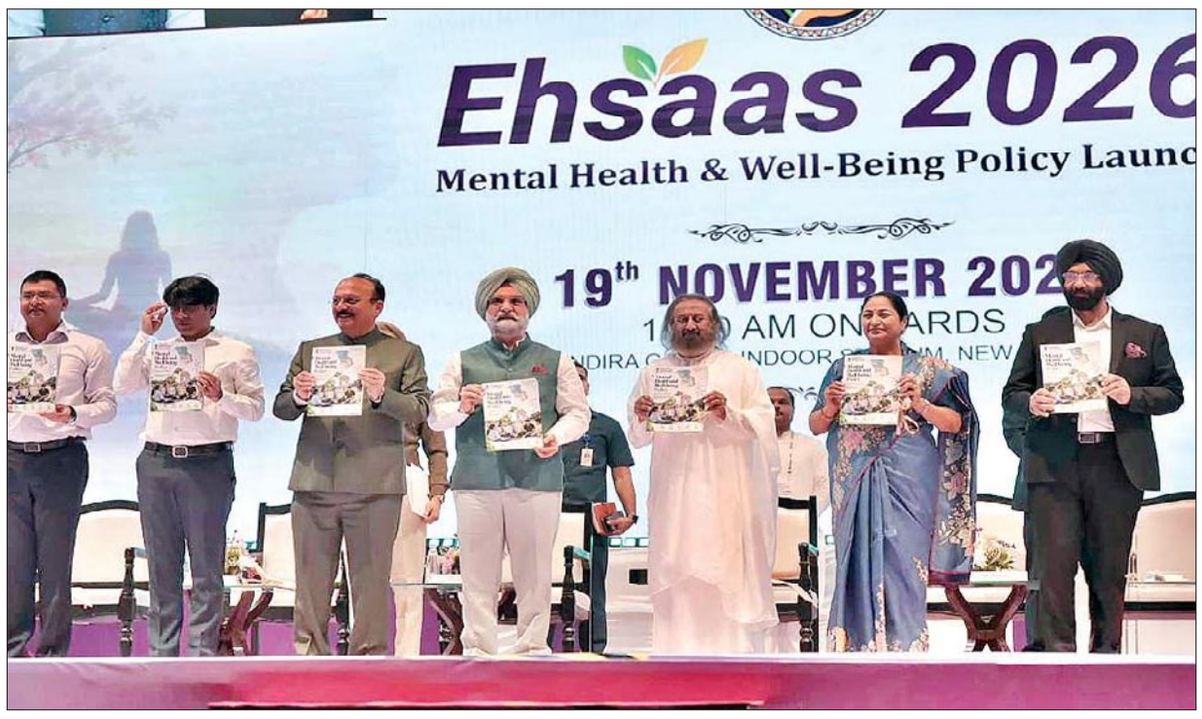
मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और अभिनेता जैकी श्रॉफ ने छठ घाट की सफाई अभियान में लिया हिस्सा

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अभिनेता जैकी श्रॉफ के साथ बृहस्पतिवार को उत्तर दिल्ली में मुनक नहर छठ घाट पर सफाई अभियान में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'स्वच्छता संकल्प' के तहत सभी को अपने आसपास के वातावरण को साफ रखना चाहिए।गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा, ''जब हम त्योहार मनाते हैं और अपनी संस्कृति व परंपराओं को भव्यता से निभाते हैं, तो हर आयोजन के बाद अपने आसपास के क्षेत्रों और शहर को साफ रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। यह केवल मुनक नहर की बात नहीं है, बल्कि पूरी दिल्ली की बात है।'' उन्होंने कहा कि सरकार अपना काम करेगी, लेकिन लोगों को भी एक साथ आकर राष्ट्रीय राजधानी को स्वच्छ रखना चाहिए। इस साल, दिल्ली सरकार ने मुनक नहर के एक सूखे हिस्से के किनारे 11 किलोमीटर लंबा छठ घाट बनाया था। इस कार्यक्रम का आयोजन भामला फाउंडेशन और मॉडर्न पब्लिक स्कूल द्वारा किया गया था।



दिल्ली सरकार ने बच्चों, युवाओं के लिए मानसिक स्वास्थ्य नीति पेश की

वेब वार्ता, नई दिल्ली



दिल्ली सरकार ने बृहस्पतिवार को अपनी मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण नीति पेश की, जिसका उद्देश्य बच्चों और युवाओं के भावनात्मक एवं मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का समाधान करना है। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने बताया कि यह नीति छात्रों के लिए भावनात्मक सहयोग को लेकर जताई गई चिंताओं के मद्देनजर तैयार की गई है।

नीति की शुरुआत के मौके पर दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, आध्यात्मिक नेता श्री श्री रविशंकर और पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा मौजूद थे।सूद ने कहा कि कुछ दिन पहले एक स्कूली छात्र ने आत्महत्या की कोशिश की, जिसके बाद सरकार का ध्यान इस मुद्दे पर गया और उन्होंने स्कूल के प्रधानाचार्यों को पत्र लिखकर एक व्यापक नीति बनाने की दिशा में काम करने के लिए उनके तथा मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के साथ चर्चा की।सूद ने कहा कि बच्चे अक्सर खुद को अकेला महसूस करते हैं, क्योंकि माता-पिता परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी करने के लिए काम में व्यस्त रहते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चे अपने भविष्य, अकादमिक प्रदर्शन और बेहतर करने की अभिभावकों की उम्मीदों को लेकर दबाव का सामना करते हैं। सूद ने कहा, ''लोग अक्सर मानसिक स्वास्थ्य को एक वर्जित विषय मानते हैं। इसी के मद्देनजर हमने यह कार्यक्रम आयोजित किया, ताकि समाज में संदेश दिया जा सके कि मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बात करना और इसे लेकर जागरूकता फैलाना जरूरी है।''उन्होंने कहा कि इस नीति का उद्देश्य एक ऐसा माहौल बनाना है, जहां बच्चे अपनी भावनात्मक भलाई के बारे में खुलकर बात कर सकें और बिना किसी झिझक के मदद मांग सकें। सूद के मुताबिक, यह नीति सीएम श्री स्कूल, सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल, उच्च शिक्षण संस्थान, निजी शिक्षण संस्थान और दिव्यांग बच्चों से जुड़े संस्थानों में लागू होगी। उन्होंने कहा कि इस नीति का उद्देश्य 29 साल तक के युवाओं तक अपनी पहुंच बढ़ाना है, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं, जो औपचारिक शिक्षा प्रणाली से बाहर हैं। सूद के अनुसार, नीति में शिक्षण, गैर-शिक्षण और परिवहन कर्मचारियों के लिए मनोमितीय आकलन की भी परिकल्पना की गई है, जो नियमित रूप से बच्चों के साथ बातचीत करते हैं। उन्होंने बताया कि नीति के तहत ऐसी पुस्तिकाएं भी तैयार की जाएंगी, जिनमें व्यवस्थित प्रश्न, अभ्यास और गतिविधियां शामिल होंगी, ताकि कर्मचारी बच्चों के साथ संवेदनशीलता और समझदारी से संवाद कर सकें।

महिला इन्फ्लुएंसर के घर में घुसने पर पिटाई के बाद चेन्नई के व्यक्ति की मौत

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के मधु विहार इलाके में एक महिला 'इन्फ्लुएंसर' से मिलने के लिए चेन्नई से आए एक व्यक्ति की महिला के घर में घुसने पर उसके परिजनों और पड़ोसियों द्वारा की गई कथित पिटाई के बाद मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।सूत्रों ने बताया कि यह घटना सात नवंबर को हुई, जब चेन्नई की एक निजी कंपनी में काम करने वाला व्यक्ति कथित तौर पर महिला के घर में घुस गया, जिसके बाद उसके परिजनों और पड़ोसियों के साथ विवाद हो गया और उन्होंने उसकी पिटाई कर दी।

इस मामले में महिला के पिता और एक पड़ोसी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि पुलिस अन्य संदिग्धों की तलाश कर रही है।जांच के अनुसार, चेन्नई निवासी यह व्यक्ति सोशल मीडिया पर महिला के संपर्क में आया था और नियमित रूप से उसके वीडियो लाइक करता था।पुलिस का कहना है कि वह महिला से एक तरफा प्यार करने लगा और उससे मिलने के लिए चेन्नई से दिल्ली आ गया। विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर महिला के 29 लाख से अधिक 'सब्सक्राइबर' हैं।एक पुलिस सूत्र ने कहा, ''सात नवंबर को वह घर में घुसने की कोशिश कर रहा था, जिससे विवाद शुरू हो गया। महिला के पिता और कुछ पड़ोसियों ने उसे पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी, जिससे उसे गंभीर अंदरूनी और बाहरी चोटें आईं।'सूत्र ने बताया कि घायल व्यक्ति को पहले लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे गुरु तेग बहादुर अस्पताल रेफर कर दिया। हालत में सुधार न होने पर उसे बाद में एक अन्य अस्पताल में स्थानांतरित किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।उसकी मौत के बाद, मधु विहार पुलिस ने गैर-इरादतन हत्या से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया और महिला के पिता व एक पड़ोसी को गिरफ्तार कर लिया।

कश्मीरी गेट इलाके में फॉर्च्यूनर ने मारी टक्कर, दो की मौत, एफआईआर दर्ज

वेब वार्ता, नई दिल्ली



उत्तरी दिल्ली के कश्मीरी गेट इलाके में 17 और 18 नवंबर की दरमियानी रात एक तेज रफ्तार सफेद फॉर्च्यूनर गाड़ी की टक्कर से घायल हुए दो युवकों की मौत हो गई। फिलहाल, दिल्ली पुलिस ने आरोपी फॉर्च्यूनर चालक के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

दिल्ली पुलिस के अनुसार, कश्मीरी गेट थाना क्षेत्र में युधिष्ठिर सेतु पर 17 और 18 नवंबर की दरमियानी रात एक तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर और टीएसआर (ऑटो) के बीच जोरदार टक्कर हुई। इस हादसे में कुल 8 लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। कुछ घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। दो लोगों की हालत गंभीर होने पर उनका उपचार शुरू किया गया था। उधर, पुलिस ने मामले में शुरुआत में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 281 और 125ए के तहत एफआईआर दर्ज की। हालांकि, हादसे में घायल हुए दो लोगों ने बुधवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।इसके बाद पुलिस ने मामले में दर्ज एफआईआर में बीएनएस की धारा 105 (गैर-इरादतन हत्या) जोड़ी है। मृतकों की पहचान के बारे में आधिकारिक जानकारी सामने आनी बाकी है। फिलहाल पुलिस आरोपी वाहन चालक की तलाश में जुटी है और उसे पकड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

उधर, उत्तर पूर्वी दिल्ली के भजनपुरा इलाके में गुरुवार सुबह एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल दिल्ली पुलिस की टीम इस मामले में आगे की जांच में जुटी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह करीब 8 बजे व्यक्ति का शव भजनपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत गमरी गांव में मिला। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना दिल्ली पुलिस को दी। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम भी मौके पर पहुंची और जांच पड़तालर की। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

एयरपोर्ट में घुसने की कोशिश करने वाला निकला एथलीट

दिल्ली पुलिस का दावा- 'बिना वीजा जाना चाहता था विदेश'

नई दिल्ली, 19 नवंबर (वेब वार्ता)। दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 में जबरन घुसने की कोशिश करने वाले आरोपी युवक की पहचान एथलीट कुनाल के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि कुनाल ने जब जबरदस्ती एयरपोर्ट में घुसने की कोशिश की तो केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों ने उसे पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया।दिल्ली पुलिस ने बताया कि आरोपी कुनाल हरियाणा के सोनीपत का रहने वाला है। वह एथलीट है और पश्चिम बंगाल में ट्रेनिंग करता है। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में सामने आया कि कुनाल किसी भी कीमत पर विदेश जाना चाहता था। कुनाल के पास वीजा और कोई वैध ट्रैवल डॉक्यूमेंट नहीं था। इसके कारण वह जबरदस्ती एयरपोर्ट में घुसने लगा था और बाद में पकड़ा गया।

अधिकारियों ने बताया कि सीआईएसएफ की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने कानून की संबंधित धाराओं के तहत उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आगे नियमों के अनुसार कार्रवाई की जा रही है।इससे पहले, सामने आए वीडियो में आरोपी युवक को सीआईएसएफ कर्मियों को चकमा देते हुए जबरदस्ती एयरपोर्ट के अंदर घुसते हुए देखा गया। यह घटना टर्मिनल 3 के डिपार्चर गेट पर हुई, जहां सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात सीआईएसएफ कर्मियों ने उसे टर्मिनल में अनधिकृत रूप से घुसने की कोशिश करते देखा। सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे रोका और 'क्विक रिस्पॉन्स टीम' (क्यूआरटी) की मदद से उसे पकड़ लिया।सीआईएसएफ के अनुसार, घुसने की कोशिश के कुछ ही सेकंड के भीतर उस व्यक्ति को रोक लिया गया और काबू में कर लिया गया। डिपार्चर गेट पर तैनात कर्मियों और क्यूआरटी के बीच समय रहते तालमेल बिठाने से उस व्यक्ति को बिना जरूरी यात्रा दस्तावेजों के एयरपोर्ट के प्रतिबंधित टर्मिनल में घुसने से रोका जा सका। इसके साथ ही, सीआईएसएफ ने अपनी त्वरित और समन्वित कार्रवाई से एक संभावित सुरक्षा चूक को रोक दिया।

लाजपत नगर में चार मंजिला इमारत में लगी आग

एक कर्मचारी की मौत, दूसरा घायल

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के लाजपत नगर-दो इलाके में चार मंजिला इमारत के बेसमेंट में आग लगने से एक कर्मचारी की मौत हो गई, जबकि एक अन्य झुलस गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।पुलिस के अनुसार, घटना बुधवार दोपहर करीब एक बजकर 17 मिनट पर हुई। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर इमारत में मौजूद लोगों को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू की।एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दमकल की गाड़ियां भी मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया।पुलिस ने बताया कि बेसमेंट से गौरव नामक कर्मचारी को निकाल कर सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, प्रेम सिंह शर्मा आग में झुलस गया और उसे अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में भर्ती किया गया है।पुलिस के मुताबिक, चार मंजिला इमारत के बेसमेंट में इमारत के मालिक द्वारा संचालित मीडिया हाउस है, जबकि ऊपरी मंजिलों पर मालिक के रिश्तेदार और अन्य लोग रहते हैं।प्रारंभिक जांच में पता चला है कि घटना के समय बेसमेंट में संभवतः अग्नि सुरक्षा उपकरण लगाने के सिलसिले में वेल्डिंग का काम किया जा रहा था। इस दौरान दो कर्मचारी वेल्डिंग का काम कर रहे थे और इमारत के दोनों कर्मचारी भी वहां मौजूद थे।पुलिस ने बताया कि अग्नि सुरक्षा उपकरण लगाने के लिए श्रमिक उपलब्ध कराने वाले ठेकेदार को भी पूछताछ और सत्यापन के लिए बुलाया गया है।पुलिस ने कहा कि आग पर काबू पा लिया गया है और घटना के सटीक कारण का अभी पता नहीं चला है।अधिकारी ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और इमारत के मालिक, ठेकेदार तथा संबंधित श्रमिकों की भूमिका की जांच की जा रही है।



दिल्ली में 40 लाख से अधिक इमारतों के प्रारंभिक सुरक्षा सर्वेक्षण में लगेंगे 40 लाख कार्यघंटेः एमसीडी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा सरकार को सौंपी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि राष्ट्रीय राजधानी में 40 लाख से अधिक इमारतों का प्रारंभिक सुरक्षा सर्वेक्षण करने में करीब 40 लाख कार्य घंटे लगने का अनुमान है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

एमसीडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस कवायद में संपत्ति कर और पर्यावरण प्रबंधन सेवा विभाग (डीईएमएस) सहित अन्य विभागों की मदद ली जाएगी, ताकि इमारतों से जुड़ी जानकारियां जुटाकर उनका एक व्यापक डेटाबेस तैयार किया जा सके। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशों के बाद नगर निगम ने एक सप्ताह से अधिक समय पहले दिल्ली सरकार को रिपोर्ट सौंपी थी। इस रिपोर्ट में प्रस्तावित शहरव्यापी सर्वेक्षण के लिए आवश्यक श्रमशक्ति, संसाधनों और समय का विवरण दिया गया था। अधिकारी ने कहा, ''इस कवायद के लिए विस्तृत प्रश्नावली तैयार करने के वास्ते हम संपत्ति कर और सफाई सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। इसका उद्देश्य इमारतों से जुड़ी सभी जरूरी जानकारियां जुटाना और उनकी संरचनात्मक सुरक्षा तथा अग्नि सुरक्षा के आकलन के लिए एक समान मानदंड तय करना है।''उन्होंने कहा कि इस प्रश्नावली में इमारतों कितनी पुरानी है, निर्मित क्षेत्रफल, मंजिलों की संख्या, स्वीकृत भवन योजनाएं, अग्नि सुरक्षा मंजूरी और ढांचागत कमजोरी के प्रत्यक्ष संकेतों (जैसे दरारें या झुकी हुई दीवारें) के साथ-साथ स्वच्छता से जुड़े पहलुओं जैसे कचरा प्रबंधन, जल निकासी और आसपास के इलाकों की स्थिति को शामिल किए जाने की उम्मीद है।



दिल्ली में इस मौसम का सबसे कम न्यूनतम तापमान 10.6 डिग्री दर्ज, एक्यूआई 'खराब' श्रेणी में

नई दिल्ली। दिल्ली में बृहस्पतिवार को इस मौसम की अब तक की सबसे सर्द सुबह दर्ज की गई। इस दौरान न्यूनतम तापमान गिरकर 10.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 1.7 डिग्री कम है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिन में हल्का कोहरा छाए रहने की संभावना है। वहीं, अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।इस बीच, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में बृहस्पतिवार सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 289 दर्ज किया गया, जो 'खराब' श्रेणी में आता है।

पांचों भाषा अकादमियों की शासी परिषद का पुनर्गठन

वेब वार्ता, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग ने हिंदी, संस्कृत, पंजाबी, मैथिली-भोजपुरी और गढ़वाली, कुमाऊंनी एवं जौनसारी अकादमी की शासी परिषदों का पुनर्गठन कर दिया है।

सभी अकादमियों के लिए 18 नवंबर को अलग-अलग अधिसूचनाएं जारी की गईं, जिनमें पूर्व अधिसूचनाओं को निरस्त कर नई परिषदों का गठन किया गया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए सभी नवनियुक्त उपाध्यक्षों एवं सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, ''दिल्ली केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि भारत की विविध भाषाओं, परंपराओं और संस्कृतियों का जीवंत संगम है। आप सभी के नेतृत्व में दिल्ली की सांस्कृतिक पहचान और समृद्ध होगी, हमारी गौरवशाली विरासत को नया विस्तार मिलेगा और युवा पीढ़ी का अपनी भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव और मजबूत होगा।'' उन्होंने सभी को सफल एवं यशस्वी कार्यकाल की मंगलकामनाएं दीं।

हिंदी अकादमी की शासी परिषद में मंत्री (कला, संस्कृति एवं भाषा) अध्यक्ष होंगे, जबकि अनिल अग्रवंशी उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। परिषद में गजेंद्र सोलंकी, रितु गोयल, भुवनेश सिंघल, प्रवीण आर्य, रितु दुबे तिवारी, प्रो. कृष्णा शर्मा, प्रो. ममता वालिया, सोनाली मिश्रा, जय सिंह आर्य, मनोज शर्मा, जितेंद्र वीर कालरा, मुकेश अग्रवाल, डॉ. कीर्ति काले, डॉ. नवीन गुप्ता और अनंत विजय को सदस्य बनाया गया है। संस्कृत अकादमी में प्रो. यशवीर सिंह को उपाध्यक्ष बनाया गया है। परिषद में पं. गिरधारी लाल, संजय शर्मा, रेनू अग्रवाल, हर्षित उपाध्याय, डॉ. दुर्गेश मिश्रा, कौशल किशोर तिवारी, प्रो. सुधीर कुमार आर्य, प्रो. रंजीत बेहरा, प्रो. जयप्रकाश नारायण, डॉ. जीवन शर्मा, आचार्य सुधीर शर्मा, डॉ. अमोल मणि मिश्रा और डॉ. सुशील कुमार सदस्य होंगे।

पंजाबी अकादमी के उपाध्यक्ष सरदार इमप्रीत सिंह बख्शी होंगे।इसमें डॉ. जसविंदर कौर बिंद्रा, सरदार बलबीर सिंह, डॉ. गुरमीत सिंह सुरा, जैसमीन सिंह नाउनी, के.एस. दुग्गल, हरीश हरजाई, गुरमीत कोहली, हरजेंद्र सोढी, संकेश सिद्धू, अवतार साहनी, सरदार कुलवंत सिंह बाठ, सचिन भसीन, राजीव गुगलानी, सुमित सेठ, शशि जेटली, सरदार जगदीश सिंह, सरदार चरणजीत सिंह लवली, सरदार इसप्रीत सिंह और सरदारनी सतबीर कौर शामिल हैं।

मैथिली-भोजपुरी अकादमी में बिपिन बिहारी उपाध्यक्ष बने हैं, जबकि गढ़वाली, कुमाऊंनी एवं जौनसारी अकादमी में डॉ. धीरज जोशी को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। सभी अकादमियों में प्रधान सचिव (वित्त) और सचिव (कला, संस्कृति एवं भाषा) पदेन सदस्य होंगे तथा संबंधित अकादमी के सचिव सदस्य सचिव होंगे। पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना की तिथि से दो वर्ष का होगा।

इंदिरा जयंती परपूर्व प्रधानमंत्री को दी श्रद्धांजलि,ः कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने बृहस्पतिवार को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को याद किया। सोनिया गांधी, खरगे और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इंदिरा गांधी की जयंती पर शक्ति स्थल पहुंचकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में इंदिरा गांधी को अदम्य साहस, संघर्ष और सशक्त नेतृत्व का प्रतीक बताते हुए कहा कि वह 'भारत की लौह महिला' थीं। उन्होंने कहा, "देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए उन्होंने अपना जीवन न्योछावर कर दिया।" कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्र के प्रति इंदिरा गांधी का समर्पण, योगदान, दृढ़ इच्छाशक्ति और निर्णायक नेतृत्व हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। वहीं, प्रियंका गांधी वाद्रा ने अपनी दादी इंदिरा गांधी के साथ बचपन की एक तस्वीर साझा करते हुए उन्हें जन्मदिन पर याद किया।

हाईकोर्ट ने रेस्टोरेंट एसोसिएशन की याचिकाएं स्वीकार कीं पर राहत नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने होटल और रेस्टोरेंट के बिल में सर्विस चार्ज अनिवार्य रूप से वसूलने के अधिकार की मांग को लेकर दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई करने पर सहमति जताई है। अदालत ने गुरुवार को नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) और फेडरेशन ऑफ होटल्स एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएचआरएआई) की अपीलें स्वीकार कर लीं। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि उसने फिलहाल रेस्टोरेंट संचालकों को कोई अंतरिम राहत नहीं दी है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नितिन वासुदेव सांब्रे और न्यायमूर्ति संजय शर्मा की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि रेस्टोरेंट कर्मचारियों को टिप देना या नहीं देना पूरी तरह ग्राहक की इच्छा पर निर्भर करता है। भारत में इसे अनिवार्य नहीं बनाया जा सकता, क्योंकि इस संबंध में कोई कानून नहीं है। सुनवाई के दौरान अदालत ने सवाल उठाया कि रेस्टोरेंट अपने खाने के बिल में सर्विस चार्ज को शामिल क्यों नहीं करते और ग्राहकों से अलग से अतिरिक्त शुल्क क्यों वसूलते हैं। एक अपीलकर्ता की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि रेस्टोरेंट अपनी इच्छा से सर्विस चार्ज को कुल बिल से अलग रखते हैं, क्योंकि यह राशि कर्मचारियों के योगदान के लिए होती है।इस पर पीठ ने सवाल किया कि होटल और रेस्टोरेंट सभी शुल्क खाने के बिल में ही क्यों नहीं शामिल कर लेते। अदालत ने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति 100 रुपये की वस्तु को प्रोसेस करके 1,000 रुपये में बेचता है, तो उससे यह नहीं पूछा जाता कि बाकी 900 रुपये किस बात के लिए लिए जा रहे हैं। यह उसकी प्रोसेसिंग फीस है।

दो दिन शहर के मंडप रहेंगे गुलजार

शहर में लगभग 600 मंडप, इनमें से 450 रजिस्टर्ड, देवउठनी के अवसर पर आज और कल सभी फुल

शहर में दो दिनों में 12 सौ से अधिक शादियां

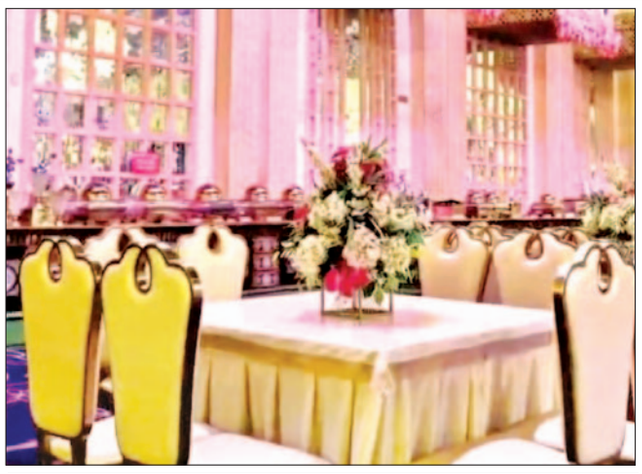
● वेब वार्ता, मेरठ

देवउठनी एकादशी के साथ शुक्रवार से मांगलिक कार्य शुरू हो जाएंगे। मेरठ मंडप एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार शहर भर में शुक्रवार और शनिवार को लगभग 1200 शादियां होंगी।

इसके लिए मेरठ मंडप एसोसिएशन ने सभी तैयारियां पूरी करनी हैं। इन शादियों के लिए शहर भर के सभी बड़े हलवाई भी बुक हैं। स्थिति यह है कि कई बड़े मैरिज फंक्शंस के लिए हलवाइयों की कमी के चलते शहर से बाहर के हलवाइयों को भी बुक किया गया है। देवउठनी एकादशी के साथ शुरू होने वाली शादियों के सीजन के मद्देनजर फलों के दामों में भी इजाफा दर्ज किया गया है।

600 मंडप, सभी बुक

मेरठ मंडप एसोसिएशन के महामंत्री विपुल सिंघल के अनुसार शहर भर में 600 मंडप हैं और इनमें से 400 मंडप रजिस्टर्ड हैं। एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार शुक्रवार और शनिवार को सभी मंडप बुक हैं। विपुल सिंघल ने बताया कि इन दो दिनों में शहर भर में लगभग 1200 होंगी।



खरमास से पहले शादियों के लिए कुल 13 शुभ मुहूर्त

सदर निवासी पंडित रमापति शास्त्री के अनुसार 16 दिसंबर से खरमास शुरू होगा और एक माह तक शादियों पर फिर ब्रेक लग जाएगा। उन्होंने बताया कि देवउठनी एकादशी और खरमास के बीच विवाह समारोह के कुल 13 शुभ मुहूर्त हैं। इनमें 20 एवं 21 नवंबर के अलावा 24, 25 तथा 26 नवंबर एवं 2, 3, 4, 5, 6, 11, 12 व 13 दिसम्बर शामिल हैं।

मंडप की पार्किंग को लेकर नोटिस थमाने पर जताया विरोध

मेरठ। देवउठनी एकादशी के साथ शुक्रवार से शुरू होने वाले शादियों के सीजन को मद्देनजर रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा शहर के 40 मंडप और होटल मालिकों को नोटिस थमाने का मामला गरमा गया है। इस मामले में मेरठ मंडप एसोसिएशन ने अपना विरोध दर्ज कराते हुए घोषणा की है कि वह प्रशासन की इस एक तरफा कार्रवाई का विरोध करेंगेतथा इस संबंध में सोमवार को संगठन का एक प्रतिनिधिमंडल जिला प्रशासन के आला अधिकारियों से मिलेगा। बता दें कि बुधवार को एसपी ट्रैफिक राजेश कुमार श्रीवास्तव ने एक बैठक के दौरान मंडप एवं होटल मालिकों को चेतावनी भरे लहजे में कहा था कि यदि शादी समारोहों के नाम पर सड़क घेर कर बारात चढ़त हुई और इस दौरान जाम लगा तो मंडप एवं होटल संचालकों के खिलाफ कार्रवाई संभव है।

यह तो एकतरफा कार्रवाई हुई: अध्यक्ष



मेरठ मंडप एसो. के अध्यक्ष मनोज गुप्ता का कहना है कि यदि एसपी ट्रैफिक ने मंडप एवं होटल मालिकों की बैठक बुलाई थी तो एसोसिएशन के पदाधिकारियों को इसकी जानकारी क्यों नहीं दी गई। यह प्रशासन की एक तरफा कार्रवाई है और इसके विरोध में हम सोमवार को जिला प्रशासन के उच्चाधिकारियों से मुलाकात करेंगे।

नजर अंदाज करना समझ से परे: महामंत्री



मेरठ मंडप एसोसिएशन के महामंत्री विपुल सिंघल का कहना है कि यदि एसपी ट्रैफिक ने अपने कार्यालय में होटल एवं रेस्टोरेंट संचालकों के साथ बैठक की तो मंडप एसोसिएशन को नजर अंदाज क्यों किया गया। उन्होंने सवाल किया कि प्रशासन ने अपने स्तर से शादियों का सीजन शुरू होने से पूर्व ही 40 मंडप और होटल मालिकों को नोटिस आखिर किस आधार पर थमाया, यह समझ से परे है।

रानी लक्ष्मीबाई जयंती पर छात्रावास में हुआ समारोह

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के रानी लक्ष्मीबाई छात्रावास में गुरुवार को रानी लक्ष्मीबाई जयंती के अवसर पर साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद एवं महिला अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं के लिए गायन, नृत्य, कविता और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने अपने संदेश में कहा कि रानी लक्ष्मीबाई का जीवन साहस, शौर्य और आत्मसम्मान का प्रतीक है। मुख्य वार्डन प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि ऐसे आयोजन छात्राओं में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के साथ उनके सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद के समन्वयक प्रो. केके शर्मा और प्रो. वीरपाल सिंह ने भी छात्राओं को रानी लक्ष्मीबाई के साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। छात्रावास की वार्डन प्रो. बिंदु शर्मा ने छात्राओं को अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।प्रतियोगिताओं के परिणामों में भाषण में दीपाराज भारद्वाज प्रथम, पलक रावत द्वितीय और खुशी सिंह तृतीय रहीं। कविता में खुशी गोस्वामी ने प्रथम, छवि चौधरी ने द्वितीय और मोनिका यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गायन में दीक्षा प्रथम तथा मुस्कान और खुशी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। नृत्य में किट्टू प्रथम, प्रगति द्वितीय और कनिष्का तृतीय रहीं। कार्यक्रम का संचालन ओजस्वी ने किया। निर्णायक मंडल में प्रो. अलका तिवारी, ईना त्यागी, कोमल सिंह, विदुषी, श्वेता शर्मा और डॉ. सिमरन शामिल रहीं। इस दौरान डॉ. दिव्या शर्मा, डॉ. वंदना राणा सहित अन्य शिक्षक एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।



अमेरिकन किड्ज में मैथ्स मेवरिक्स का आयोजन

मेरठ। थापर नगर स्थित अमेरिकन किड्ज एंड स्कॉलर्स अकैडमी में अंतर-सदनीय गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता मैथ्स मेवरिक्स का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में चारों सदनों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया तथा गणित से संबंधित विभिन्न रोचक एवं ज्ञानवर्धक प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी प्रतिभा, तार्किक क्षमता एवं गणितीय कौशल का परिचय दिया। प्रतियोगिता में एक्वा हाउस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर विजय हासिल की। विद्यालय की निदेशिका सरंधा पुंडीर ने विजेता एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। विद्यालय के प्रबंध निदेशक गणितज्ञ डॉ विवेक पुंडीर ने विद्यार्थियों को गणित के महत्व से अवगत कराया। शिक्षिका वर्षा तथा शिक्षक धर्मराज कश्यप का सराहनीय योगदान रहा। इस प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में गणित के प्रति रुचि, आत्मविश्वास, तार्किक चिंतन एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहन मिला।



छात्राओं ने सीखी आधुनिक तकनीकों की बारीकियां

मेरठ। रघुनाथ गर्ल्स पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज की वनस्पति विज्ञान विभाग की एमएससी प्रथम वर्ष की छात्राओं ने नई दिल्ली के भारत मंडपम, प्रगति मैदान में आयोजित भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का शैक्षणिक भ्रमण किया। प्राचार्या प्रो. निवेदिता मलिक के निर्देशन में आयोजित इस भ्रमण का उद्देश्य छात्राओं को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास और कृषि क्षेत्र में हो रहे नवीन प्रयोगों की व्यावहारिक जानकारी देना था। कार्यक्रम संयोजिका एवं वनस्पति विज्ञान विभाग की समन्वयक डॉ. गरिमा मलिक ने बताया कि व्यापार मेला विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे नवाचार और वैज्ञानिक प्रगति को समझने का बेहतर मंच है। आयोजन में सचिव डॉ. मधु मलिक, डॉ. अनुपमा सिंह और नीतू का विशेष योगदान रहा।

छात्राओं ने पोस्टर से दिया शत-प्रतिशत मतदान का संदेश



दौराला। राजकीय महिला महाविद्यालय दादरी में गुरुवार को मतदाता जागरूकता अभियान के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रो. यज्ञदेव शर्मा के निर्देशन में मतदाता साक्षरता क्लब, रेंजर्स एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं ने नारा लेखन, पोस्टर, भाषण और क्विज प्रतियोगिताओं के माध्यम से शत-प्रतिशत मतदान का संदेश दिया। रेंजर्स प्रभारी डॉ. दीप्ति चौधरी के संयोजन में आयोजित नारा लेखन प्रतियोगिता में छात्राओं ने मतदान के महत्व को दर्शाते हुए आकर्षक नारे लिखे। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गजेंद्र कुमार ने मतदान जागरूकता विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता और शुद्ध मतदाता सूची के महत्व पर भाषण प्रतियोगिता कराई। पोस्टर प्रतियोगिता में बीकॉम तृतीय सेमेस्टर की रिया सिंह प्रथम, विशाखा द्वितीय और बीएससी प्रथम सेमेस्टर की ईशा तृतीय स्थान पर रहीं। भाषण प्रतियोगिता में बीकॉम द्वितीय सेमेस्टर की प्राची ने प्रथम, बीएससी प्रथम सेमेस्टर की ईशा ने द्वितीय और विशाखा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।वहीं, ईएलसी नोडल अधिकारी प्रो. विजेंद्र सिंह के निर्देशन में मतदाता सूची, मतगणना, मतदान प्रक्रिया और ईवीएम मशीन से संबंधित क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें बीए तृतीय सेमेस्टर की प्रियांशी प्रथम, तनु द्वितीय और बीएससी तृतीय सेमेस्टर की वंशिका तृतीय स्थान पर रहीं।प्रतियोगिताओं के समापन पर प्राचार्य प्रो. यज्ञदेव शर्मा ने प्राध्यापकों और छात्राओं को निष्पक्ष एवं शत-प्रतिशत मतदान की शपथ दिलाई।

हैवी मेकअप से दूरी, बुक हुए पार्लर

15 से 20 हजार से शुरू हो रहे ब्राइडल पैकेज, शादी से पहले त्वचा को निखारने के लिए फेशियल और विशेष उपचार पर जोर

● वेब वार्ता, मेरठ

देवउठनी एकादशी के साथ ही शादी-विवाह का सीजन शुरू हो गया है। इसके साथ ही शहर के ब्यूटी पार्लरों में भी दुल्हनों की तैयारियों ने रफ्तार पकड़ ली है। शादी के खास दिन पर सबसे खूबसूरत दिखने की चाह में दुल्हनें महीनों पहले से अपनी तैयारियां शुरू कर रही हैं। इस बार ब्राइडल मेकअप के चलन में भी बदलाव देखने को मिल रहा है। अब दुल्हनें चेहरे पर हैवी मेकअप की परत के बजाय ऐसा लुक पसंद कर रही हैं, जिसमें मेकअप का निखार भी नजर आए और चेहरे की प्राकृतिक खूबसूरती भी बरकरार रहे।

शहर के लॉरियट ब्यूटी पार्लर की संचालिका नविता जैन के अनुसार, इस बार ब्राइडल मेकअप में डेवी लुक की मांग अधिक है। इसमें चेहरे पर हल्की चमक, नमी और ताजगी दिखाई देती है। पार्लर में अब तक देवउठनी एकादशी के लिए करीब 10 से 12 दुल्हनों की बुकिंग हो चुकी है।

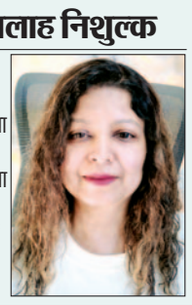
15 से 20 हजार रुपये से शुरू ब्राइडल मेकअप पैकेज

लॉरियट ब्यूटी पार्लर में ब्राइडल मेकअप पैकेज की शुरूआती कीमत करीब 15 से 20 हजार रुपये है। इसमें दुल्हन के मनचाहे लुक और जरूरत के अनुसार मेकअप की तैयारी की जाती है। शादी के मुख्य समारोह के साथ अन्य रस्मों के लिए भी दुल्हनें पहले से अपनी बुकिंग करा रही हैं।

त्वचा के पोषण तक विशेष तैयारी

इस बार दुल्हनों की तैयारियां केवल मेकअप तक सीमित नहीं हैं, बल्कि शादी से पहले त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाने पर भी खास ध्यान दिया जा रहा है। पार्लर में प्यूरीफाई फेशियल, कोलेजन फेशियल, कार्बन फेशियल व हाइड्राफेशियल उपचार कराए जा रहे हैं।

चिकित्सकों की सलाह निशुल्क



ब्राइडल तैयारियों को और खास बनाने के लिए पार्लर में डॉ. अक्षय जैन और डॉ. भव्या जैन की ओर से त्वचा संबंधी परामर्श भी उपलब्ध कराया जा रहा है। नविता जैन के मुताबिक, यह परामर्श दुल्हनों को निशुल्क दिया जाता है।

दुल्हनों को भा रहे रॉयल लुक वाले लहंगे

● वेब वार्ता, मेरठ

देवउठनी एकादशी के साथ ही विवाह सीजन की शुरूआत होने जा रही है। इसे देखते हुए शहर के बाजारों में शादी की खरीदारी ने रफ्तार तेज हो गई है। सदर बाजार, आबूलेन समेत प्रमुख बाजारों में दुल्हन और उनके परिजन साड़ियों, लहंगों और शादी के परिधानों की खरीदारी करते नजर आ रहे हैं। खासकर ब्राइडल लहंगों को लेकर युवतियों में उत्साह है। वहीं, दुल्हन की मां और परिवार की अन्य महिलाओं के लिए भी अलग-अलग डिजाइन और कपड़ों की साड़ियों की मांग बनी हुई है।

सदर बाजार स्थित रचना क्रिएशंस में विवाह सीजन को लेकर ग्राहकों की आवाजाही बढ़ी है। यहां ब्राइडल लहंगों की कीमत 20 हजार रुपये से शुरू होकर 90 हजार रुपये तक है। शोरूम में सब्यसाची डिजाइन के लहंगे भी उपलब्ध हैं। दुल्हनों की पसंद को ध्यान में रखते हुए महरून रंग में अलग-अलग डिजाइन और बारीक कढ़ाई वाले लहंगे रखे गए हैं। इसके अलावा मैजेंटा, बेबी पिंक और पेस्टल रंगों के लहंगे भी युवतियों को पसंद आ रहे हैं।सदर स्थित रचना क्रिएशंस के संचालक पुनीत छाबड़ा के अनुसार विवाह सीजन को देखते हुए शोरूम में ब्राइडल लहंगों और साड़ियों की विभिन्न रेंज उपलब्ध कराई गई हैं।

रॉयल अंदाज के साथ हल्के लहंगों की पसंद



ब्राइडल फैशन में इस बार दुल्हनों की पसंद में रॉयल लुक के साथ हल्के वजन का खास ध्यान रखा जा रहा है। दुल्हनें ऐसे लहंगे पसंद कर रही हैं, जिनमें कढ़ाई और डिजाइन आकर्षक हों, लेकिन पहनने में ज्यादा भारी न लगें। गार्लिक डिजाइन के लहंगों की कीमत 7 हजार से 80 हजार रुपये तक है। इसके अलावा फ्लोरल डिजाइन, ज्वेलरी वर्क वाले लहंगे और क्रॉप टॉप गाउन भी उपलब्ध हैं। अलग-अलग डिजाइन और बजट के विकल्प होने से ग्राहक अपनी पसंद के अनुसार खरीदारी कर रहे हैं।

बनारसी और शुद्ध रेशमी साड़ियों की भी मांग

साड़ियों की बात करें तो यहां एक हजार रुपये से लेकर 10 हजार रुपये तक की रेंज में कई विकल्प मौजूद हैं। बनारसी और खासकर रेशमी साड़ियां दुल्हन की मां की पसंद बनी हुई हैं। इसके साथ ही ऑर्गेंजा और जिमी चू साड़ियों के डिजाइन भी ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं।

श्याम बाबा के जन्मोत्सव पर निकाली भव्य शोभायात्रा



मेरठ। गुरुवार को छोटा खाटू धाम मंदिर सदर तिलक पार्क मेरठ कैंट से श्याम बाबा जन्मोत्सव के अवसर पर विशाल शोभायात्रा का शुभारंभ किया गया। शुभारंभ मुख्य अतिथि संजय जैन द्वारा किया गया। उद्घाटन संयुक्त व्यापार संघ के उपाध्यक्ष नीरज मित्तल द्वारा किया गया।

मुख्य पूजन जय प्रकाश अग्रवाल, अमन अग्रवाल, रवि माहेश्वरी ने किया। प्रथम तिलक करता बृजभूषण गोयल संजय गोयल रहे। भाजपा मेरठ महानगर कोषाध्यक्ष अमित गर्ग मूर्ति ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में विशेष सहयोगी के रूप में सुधीर रस्तोगी शिप्रा रस्तोगी कांग्रेस महानगर अध्यक्ष रंजन शर्मा शम्मी सपरा आशुतोष मित्तल विशाल गोयल रहे शोभायात्रा में गणेश जी का भव्य डोला श्याम बाबा का मुख्य डोला फूलों से सजाया गया यात्रा में मेरठ के बैंड सहनाई ताशा ने समा बांधा। इस दौरान मंदिर कार्य समिति के श्याम सेवक मदन गोपाल गोयल विशाल गोयल अजय अग्रवाल गौरव गोयल हर्षित गुप्ता लोहे वाले नूपुर गोयल राहुल सिंघल संजय तायल प्रशांत भारद्वाज सौरभ गोयल नंदू सैनी अनुज सिंघल राकेश गर्ग शोभित गोयल मनीष गोयल राजकुमार गुप्ता अनिल गर्ग मुकेश गर्ग अविनाश गोयल क्षितिज राघव मौजूद रहे।

रोमांचक मैच में जेएमएस वर्ल्ड और ऋषभ की शानदार जीत

मेरठ। वेस्ट एंड रोड स्थित गुरु तेग बहादुर क्रिकेट एकेडमी में चल रहे प्रथम ऑल इंडिया चौधरी नरेंद्र सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में गुरूवार को दो लीग मैच खेले गए। इसमें जेएमएस वर्ल्ड हापुड़ और ऋषभ क्रिकेट एकेडमी की टीम ने मैच जीते।

पहले मैच में दीवान पब्लिक स्कूल की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 18.2 ओवर में 138 रन बनाए। इसमें सार्थक ने 60, सार्थक शर्मा ने 30 रन की पारी खेली। गेंदबाजी में अविरल ने तीन, रिहान ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जेएमएस वर्ल्ड स्कूल हापुड़ की टीम ने 17.1 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य प्राप्त कर पांच विकेट से मैच जीता। टीम की ओर से अर्नव राजवंश ने 49, विपुल ने 29, प्रिंस ने 19 रन बनाए। गेंदबाजी में सार्थक व शौर्य ने दो दो विकेट लिए। प्लेयर ऑफ द मैच अर्नव रहे। दूसरे मैच में ऋषभ एकेडमी स्कूल की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 152 रन बनाए। इसमें अभिजीत ने 58, शिवम ने 48 रन बनाए। गेंदबाजी में रिहान ने 4, अविरल ने तीन, प्रिंस ने एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जेएमएस वर्ल्ड स्कूल हापुड़ की टीम 19.1 ओवर में 146 रन पर ऑल आउट हो गई।

आधी-अधूरी तैयारियों के बीच कार्तिक पूर्णिमा गंगा मेले का उद्घाटन आज

मेले में नजर नहीं आ रहे महिला घाट, दलदल और कीचड़ भरे रास्तों में फंस रही श्रद्धालुओं की गाड़ियां

● वेब वार्ता, हस्तिनापुर

लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र ऐतिहासिक कार्तिक पूर्णिमा गंगा मेले का विधिवत उद्घाटन शुक्रवार को जिला पंचायत अध्यक्ष गौरव चौधरी के द्वारा होने जा रहा है, लेकिन मेला स्थल पर प्रशासनिक तैयारियां अभी भी आधी-अधूरी नजर आ रही हैं। मेला शुरू होने से ठीक पहले की जमीनी हकीकत ने प्रशासन के चाक-चौबंद व्यवस्थाओं के दावों की पोल खोल दी है।

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर वन आरक्षित क्षेत्र से होकर गुजरने वाली गंगा नदी के मखदुमपुर गंगा घाट पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर जिला पंचायत द्वारा गंगा मेले का आयोजन किया जाता है। मेले में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं में अधिकांश महिला श्रद्धालु परिवार गंगा स्नान के लिए पहुंचते हैं। उद्घाटन की सुबह तक मेला क्षेत्र में अलग से महिला घाट और चेंजिंग रूम की समुचित व्यवस्था नजर नहीं आ रही है। रास्तों पर पर्याप्त मात्रा में लोहे की प्लेटें न बिछने के कारण श्रद्धालुओं के ट्रैक्टर-ट्रॉली और चौपहिया वाहन कीचड़ में फंस रहे हैं।

सुरक्षा पर सवाल: नदारद दिखी 'तीसरी आंख'

मेले में लाखों की भीड़ को नियंत्रित करने और असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए प्रशासन ने चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का दावा किया था। हालांकि, उद्घाटन से ऐन पहले तक मेला क्षेत्र के प्रमुख चौराहों, स्नान घाटों और संवेदनशील पॉइंट्स पर 'तीसरी आंख' (सीसीटीवी कैमरे) नजर नहीं आ रही है।



मतदाता जोड़ो अभियान को सफल बनाने का संकल्प



मेरठ। मेरठ कैंट विधानसभा क्षेत्र में विधायक अमित अग्रवाल के नेतृत्व में मतदाता जोड़ो अभियान के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन सोणे रामदास जैस लाल मंदिर एवं सत्संग भवन, जामुनवाला, लालकुर्ती में किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष विवेक रस्तोगी ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लक्ष्मीकांत वाजपेयी व विशिष्ट अतिथि के रूप में महापौर हरिकांत अहलूवालिया मौजूद रहे।

लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा कि मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है और प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम इसमें दर्ज होना आवश्यक है। अमित अग्रवाल ने कहा कि मेरठ कैंट विधानसभा क्षेत्र में मतदाता जोड़ो अभियान को एक व्यापक जनसंपर्क अभियान के रूप में संचालित किया जाएगा। विवेक रस्तोगी ने कहा कि संगठन की वास्तविक शक्ति उसके बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं में निहित है। सभी मंडल अध्यक्ष, मंडल महामंत्री एवं सेक्टर प्रभारी आपसी तालमेल के साथ अभियान को प्रत्येक बूथ तक पहुंचाएं। हरिकांत अहलूवालिया ने कहा कि मतदाता सूची में प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम दर्ज होना उसकी लोकतांत्रिक भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यशाला में महानगर महामंत्री नरेंद्र उपाध्याय, विनय शर्मा, महानगर उपाध्यक्ष विशाल कनौजिया, महानगर मंत्री डॉली गुप्ता, अजय दीवान, महानगर कार्यसमिति सदस्य अंकित सिंघल, महानगर अध्यक्ष युवा मोर्चा अंकुर कुशवाहा, मंडल अध्यक्षगण गौरव हुरिया, अनुराग विश्नोई, संजय गुप्ता, सेंसर पाल, विजय सोनकर, भोपाल एम. प्रजापति सहित पार्षदगण राज कुमार वर्मा, नरेश सैनी, रेशमा सोनकर, सुमित कुमार, कविता राठी, रघुवीर सिंह, आशुतोष मलिक, शालू यादव, बबीता खन्ना, रमेश गोलाबड़, ज्योति वाल्मीकि, आनंद जाटव, अशोक कुमार कनौजिया, रविन्द्र जाटव, पवन चौधरी, निरंजन, अनुराधा गुलाटी, दीपिका उपस्थित रहे।

अब बदलेगा बैडमिंटन हॉल का सूरत ए हॉल

कैलाश प्रकाश स्पोर्ट्स स्टेडियम के बहुउदेशीय बैडमिंटन हॉल में तीन कोर्ट का हो रहा जीर्णोद्धार

● वेब वार्ता, मेरठ

कैलाश प्रकाश स्पोर्ट्स स्टेडियम में वर्ष 1997 में बनकर तैयार हुए बहुउदेशीय बैडमिंटन क्रीड़ा हॉल का मरम्मत कार्य शुरू हो गया है। जिसके चलते हॉल आगामी 26 नवंबर तक खेल गतिविधियों के लिए बंद किया गया है। इस बैडमिंटन हॉल के तीन कोर्ट एरिया में वुडन बेस पर सिंथेटिक फ्लोर बनाया जाना है। इससे यहां अभ्यास करने वाले पेशेवर और शौकिया खिलाड़ियों को बेहतर अभ्यास की सुविधा मिलेगी।

बैंडमिंटन कोच प्रभात शर्मा के अनुसार बैडमिंटन हॉल में मौजूद समय में 90 खिलाड़ी 18 वर्ष से कम आयु के पंजीकृत है, तो वहीं करीब 75 खिलाड़ी शौकिया तौर पर यहां पर खेलने आते हैं। खिलाड़ियों की बड़ी संख्या के सापेक्ष कोर्ट पर सुविधाओं को विस्तार देने की कड़ी में राज्यसभा सांसद डा.लक्ष्मीकांत वाजपेयी द्वारा तीन कोर्ट बनाने के लिए लगभग साढ़े बारह करोड रूपये की धनराशि प्रदान की है। बताया कि इससे बैडमिंटन खेल और इसके खिलाड़ियों को अभ्यास करने में काफी सुविधा होगी। नए कोर्ट पर अभ्यास और प्रतियोगिता में खेलने के दौरान ग्रिपिंग से इंजरी का खतरा भी कम होगा। बताया कि वर्ष 1995 में निवर्तमान डीएम दीपक सिंघल ने बहुउद्देशीय बैडमिंटन क्रीड़ा हाल का शिलान्यास किया था। यह हॉल वर्ष 1997 में तैयार हुआ और इसी वर्ष मुख्यमंत्री मायावती ने इसका उद्घाटन किया था।



ये बोले आरएसओ

क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी जितेंद्र यादव के अनुसार खेल मैदानों मे सुविधाओं का विस्तार करने का प्रयास जारी है। इससे खिलाड़ियों को बड़े खेल मंचों पर प्रदर्शन के लिए तैयार किए जाने में सुविधा मिलेगी, जिससे उनके खेल में निखार आएगा।

नामचीन खिलाड़ियों की लंबी फेहरिस्त

बताया कि इस बैडमिंटन हॉल में अभ्यास करके देश के लिए खेलने वाले खिलाड़ियो की एक लंबी फेहरिस्त है। इसमें पूर्व ओलंपियन और वर्तमान राष्ट्रीय टीम के कोच मनु अत्री का नाम भी शुमार है। साथ ही राष्ट्रीय खिलाड़ियों में विनित, भानु, शैलजा शुक्ला, खुशी पंत, गौरव सिवाच जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं।

कोचिंग का 32 साल का अनुभव रखते हैं कोच प्रभात शर्मा

बैडमिंटन हॉल के वर्तमान कोच प्रभात शर्मा के बारें में बात करें तो वह बतौर कोच करीब 32 साल से खेल की बारीकियों से अभ्यासरत् खिलाड़ियों को तराशने का काम कर रहे हैं। उनके लंबे अनुभव का यहां के खिलाड़ियों को बड़ा लाभ अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मिल रहा है।

ब्रीफ न्यूज

पाकिस्तान का फतेह-3 परीक्षण: क्या यह ब्रह्मोस की बराबरी कर पाएगा?

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने हाल ही में अपनी नई सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल फतह-3 का सफल परीक्षण करने का दावा किया है। यह कदम भारत की शक्तिशाली ब्रह्मोस मिसाइल की संभावित काट खोजने के प्रयासों के रूप में देखा जा रहा है। पाकिस्तानी सेना ने 18 नवंबर को इस परीक्षण की घोषणा की। उनके मुताबिक, फतह-3 अत्याधुनिक नेविगेशन और प्रोपल्शन सिस्टम से लैस है, जो लंबी दूरी पर स्थित ठिकानों को तेज रफ्तार और सटीक मारक क्षमता के साथ निशाना बना सकती है। पाकिस्तान इसे अपनी आर्मी रॉकेट फोर्स कमांड की मारक क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि बता रहा है, जिससे पारंपरिक मिसाइल हमलों की दूरी और प्रभावशीलता बढ़ेगी। इस परीक्षण के बाद फतह-3 की तुलना स्वाभाविक रूप से भारत की ब्रह्मोस मिसाइल से होने लगी है, जो लंबे समय से भारत की सबसे प्रभावी स्ट्राइक मिसाइलों में गिनी जाती है।

ईरान के इशारे पर हूतियों ने सऊदी को घेरा, होर्मुज में तेज किए हमले

तेहरान। पश्चिम एशिया में युद्ध और तनाव की आंच तेजी से फैल रही है, जहां अमेरिका और ईरान के बीच टकराव अब सिर्फ सीधा युद्ध नहीं रहा, बल्कि प्रॉक्सी मोर्चों पर भी लड़ा जा रहा है। हालिया घटनाओं से साफ है कि यह संघर्ष अब इजरायल या अमेरिका तक सीमित न रहकर उन देशों और ठिकानों तक भी पहुंच रहा है, जिन्हें अमेरिका अपने सुरक्षा नेटवर्क का अहम हिस्सा मानता है। ईरान समर्थित माने जाने वाले यमन के हूती विद्रोहियों ने अपनी ताकत का प्रदर्शन करते हुए 18 नवंबर को सऊदी अरब की राजधानी रियाद को निशाना बनाने का दावा किया। हूतियों के सैन्य प्रवक्ता के अनुसार, किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट और रियाद के फाइनेंशियल सेंटर को बड़ी संख्या में क्रूज मिसाइलों से सटीक निशाना बनाया गया। इसे यमन में सऊदी अरब की सैन्य कार्रवाई का जवाब बताया गया। हालांकि, सऊदी अरब ने इन ठिकानों पर किसी बड़े नुकसान की पुष्टि नहीं की, बल्कि दावा किया कि उसने रियाद की तरफ आ रही हूतियों की क्रूज मिसाइलों को रोककर नष्ट कर दिया।

गोधरा कांड के सात दोषियों की पैरोल तीन सप्ताह बढ़ी

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट ने 2002 के गोधरा ट्रेन जलाने के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे सात दोषियों की पैरोल तीन सप्ताह बढ़ाने का आदेश दिया है। इन दोषियों को इसी वर्ष जून-जुलाई में चार महीने की पैरोल दी गई थी। अवधि बढ़ाने के लिए उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि दोषियों ने अपनी सजा में छूट यानी रिमिशन के लिए राज्य सरकार के समक्ष आवेदन किया है, लेकिन उन पर अब तक फैसला नहीं हुआ है। राज्य सरकार ने अदालत को बताया कि रिमिशन की अर्जियां अभी विचाराधीन हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि सजा माफी की अर्जियों पर निर्णय में देरी होना दोषियों की गलती नहीं है। इसी आधार पर अदालत ने सातों दोषियों की पैरोल अवधि तीन सप्ताह बढ़ाने का फैसला किया।

बुनियादी ढांचे का विकास 17 फीसद धीमा

महिलाओं को नकद सहायता, राज्यों के खजाने पर बढ़ा दबाव

सड़कों और स्कूलों के निर्माण पर सबसे ज्यादा असर, बजट अनुमान से कम राज्यों की कमाई

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देश के विभिन्न राज्यों में महिलाओं को नकद आर्थिक सहायता देने वाली योजनाओं का विस्तार सरकारी खजाने पर भारी पड़ने लगा है। इन योजनाओं के बढ़ते खर्च और वेतन, पेंशन तथा ब्याज भुगतान की देनदारियों के कारण राज्यों के पास बुनियादी विकास के लिए पर्याप्त धनराशि नहीं बच रही है। महिलाओं को सहायता देने के लिए राज्यों को कर्ज उठाना पड़ रहा है. इसका सीधा असर सड़कों, स्कूलों, सिंचाई परियोजनाओं और अस्पतालों के निर्माण पर पड़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार राज्यों ने बुनियादी ढांचे से जुड़े खर्च में बजट अनुमान के मुकाबले करीब 17 फीसदी की कटौती करना पड़ी है।

पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2025 तक के चार वर्षों में राज्यों को अपने राजस्व लक्ष्य की तुलना में औसतन 8 फीसदी कम आय प्राप्त हुई है। दूसरी ओर वेतन, पेंशन, नकद सहायता योजनाओं और ब्याज भुगतान पर खर्च लगातार बढ़ रहा है। राजस्व में कमी और अनिवार्य खर्चों में बढ़ोतरी के कारण विकास



कार्यों के लिए राज्यों के पास उपलब्ध बजट सीमित होता जा रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है, देश के नौ राज्यों में नकद सहायता योजनाओं पर राजस्व प्राप्तियों का 10 फीसदी से अधिक खर्च किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल में यह हिस्सा 11 फीसदी और झारखंड में 10 फीसदी है। कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में भी महिलाओं को नकद सहायता देने वाली योजनाओं पर बड़ी राशि खर्च हो रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, 128 नकद सहायता योजनाओं पर कुल खर्च हर साल औसतन 24 फीसदी की दर से बढ़ रहा है। वहीं सब्सिडी खर्च में सालाना 12 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। राज्यों की कुल कमाई के मुकाबले सब्सिडी और नकद सहायता का हिस्सा पहले 16 फीसदी था, जो अब बढ़कर 21 फीसदी हो गया है।

विशेषज्ञों के अनुसार, महिलाओं और जरूरतमंद वर्गों को आर्थिक सहायता देना सामाजिक सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इसके साथ विकास योजनाओं के लिए भी पर्याप्त बजट सुनिश्चित करना जरूरी है। तत्काल आर्थिक राहत देने वाली योजनाओं का बोझ भविष्य मे राज्यों के बुनियादी विकास को बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है।

भारत दुनिया के 80 से भी ज्यादा देशों को निर्यात कर रहा स्वदेशी आधुनिक हथियार

वैश्विक स्तर पर सैन्य संघर्षों के बीच भारतीय रक्षा उद्योग को मिली कामयाबी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर जारी तनाव और कई क्षेत्रों में बढ़ते सैन्य संघर्षों के बीच भारतीय रक्षा उद्योग ने कामयाबी हासिल की है। रक्षा सचिव राजेश कुमार के मुताबिक बदलती वैश्विक परिस्थितियों ने भारतीय रक्षा विनिर्माण क्षेत्र के लिए नए अवसरों के द्वार खोल दिए हैं। वर्तमान में भारत विश्व के 80 से भी ज्यादा देशों को मिसाइल-रॉकेट प्रणाली, तोपें, आधुनिक हथियार, गोला-बारूद, लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, उन्नत रडार, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, और सैन्य वाहनों का निर्यात कर रहा है।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रक्षा सचिव ने कहा कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद से दुनिया में सैन्य संघर्षों का स्तर अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है, जिससे कई देश अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने में लगे हैं। ऐसे समय में भारत के पास अपनी रक्षा विनिर्माण क्षमता को आत्मनिर्भर बनाने और एक बड़े निर्यातक के रूप में उभरने का स्वर्णिम अवसर है। भारत सरकार ने इस दिशा में कई नीतिगत सुधार किए हैं, जिससे निजी रक्षा कंपनियों को भी समान अवसर मिल रहे हैं। सरकारी कंपनियों को मिलने वाले सीधे ठेकों की जगह अब पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया लागू की गई है।

जानकारों के मुताबिक भारत ने रक्षा निर्यात के क्षेत्र में जो गति पकड़ी है, उससे यह उम्मीद जताई जा रही है कि 50 हजार करोड़ रुपए का निर्यात लक्ष्य तय समय से कम से कम एक साल पहले ही हासिल कर लिया जाएगा। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का कुल रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपए के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया है, जो देश की सैन्य-औद्योगिक शक्ति की मजबूती का सीधा प्रमाण है। भारत द्वारा निर्यात किए जाने वाले उपकरणों की सूची में तोपों और बुलेटप्रूफ जैकेट से लेकर अत्याधुनिक तकनीक शामिल है। भारत की निर्यात सूची में ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, आकाश सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली और पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर प्रमुखता से शामिल हैं।

भारत ने इजराइल के साथ 1,976.40 करोड़ रुपए का किया रक्षा समझौता

समुद्र में भारतीय नौसेना के युद्धपोतों की सुरक्षा को और ज्यादा मजबूत करने के उद्देश्य से भारत ने एक बड़ा रणनीतिक कदम उठाया है। दुश्मन के संभावित हवाई हमलों से युद्धपोतों को बचाने के लिए भारत ने इजराइल के साथ 1,976.40 करोड़ रुपए का रक्षा समझौता किया है। इस समझौते के तहत इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज भारतीय नौसेना के जहाजों पर पहले से तैनात बराक मिसाइल सिस्टम का व्यापक अपग्रेडेशन करेगी। यह कदम नौसेना की रक्षात्मक क्षमताओं को अभूतपूर्व मजबूती प्रदान करेगा, जिससे दुश्मन के लड़ाकू विमानों, जहाजरोधी मिसाइलों और अन्य उड़ते खतरों से निपटने में भारतीय युद्धपोत पहले से कहीं ज्यादा सक्षम और प्रभावी हो सकेंगे। इस रक्षा समझौते पर आधिकारिक रूप से हस्ताक्षर किए गए।

वाइब्रेंट गुजरात समिट-2027 में भागीदार राज्य बनेगा असम

एजेंसी ■ गांधीनगर



गुजरात सरकार के आदिजाति विकास, खादी, कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के मंत्री नरेश पटेल ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा से मुलाकात कर उन्हें वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट-2027 में उपस्थित रहने के लिए औपचारिक आमंत्रण दिया। इस अवसर पर गुजरात एनर्जी लिमिटेड (जीईएल) की प्रबंध निदेशक अवंतिका सिंह (आईएएस) और प्रतिनिधिमंडल के सदस्य भी उपस्थित रहे। गुजरात एनर्जी लिमिटेड की प्रबंध निदेशक अवंतिका सिंह ने असम सरकार के उच्चाधिकारियों के साथ विशेष मुलाकात और चर्चा-मंत्रणा की। इस बैठक के दौरान तेल एवं गैस क्षेत्र में गुजरात द्वारा हासिल की गई उल्लेखनीय प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इसके अलावा; दोनों राज्यों के बीच औद्योगिक सहयोग, परस्पर निवेश के अवसरों और अंतरराज्यीय साझेदारी बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया। इस चर्चा में आगामी जनवरी 2027 में आयोजित होने वाली 'वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2027' में असम की भागीदारी को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। इस समिट में असम 'पार्टनर स्टेट' (भागीदार राज्य) के रूप में शामिल होगा। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के इस वैश्विक मंच पर असम अपने विभिन्न उद्योगों को प्रस्तुत कर असम में विद्यमान निवेश की व्यापक संभावनाओं को प्रदर्शित करेगा। इसके साथ ही; असम नई साझेदारियों की तलाश कर गुजरात के साथ आर्थिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाएगा। गुजरात और असम के बीच अंतरराज्यीय सहयोग को अधिक सुदृढ़ बनाने तथा औद्योगिक विकास एवं निवेश के क्षेत्रों में नए अवसरों, व्यापार-वाणिज्य और विभिन्न क्षेत्रों में पारस्परिक सहयोग बढ़ाने के लिहाज से यह मुलाकात महत्वपूर्ण सिद्ध होगी। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट-2027 का आयोजन आगामी 10 से 12 जनवरी, 2027 के दौरान गांधीनगर के महात्मा मंदिर में किया जाएगा। यह समिट वैश्विक निवेशकों, उद्योगपतियों, नीति-निर्माताओं और विभिन्न क्षेत्रों के अग्रणियों को एक मंच पर लाकर निवेश, औद्योगिक विकास, नवाचार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के नए अवसर सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जाति प्रमाण-पत्र बनवाने सिंगल मदर वाले बच्चों की बढ़ी मुश्किल

प्रमाण-पत्र के अभाव में छात्रवृत्ति और नौकरी के अवसर प्रभावित

एजेंसी ■ नई दिल्ली

जिन बच्चों के दस्तावेजों में पिता का नाम दर्ज नहीं है या जिनका पालन-पोषण अकेली मां कर रही है, उन्हें जाति प्रमाण-पत्र बनवाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इसका सीधा असर उनकी पढ़ाई, छात्रवृत्ति और नौकरी से जुड़े अवसरों पर पड़ रहा है। प्रभावित समुदायों का कहना है कि कई जगह पुराने प्रशासनिक नियमों और परिपत्रों के कारण आवेदन अटक रहे हैं। कई समुदायों, जिनमें बांछड़ा समुदाय भी शामिल है, में मां ही बच्चे की एकमात्र अभिभावक होती है। ऐसे मामलों में पिता का नाम या उनसे संबंधित दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने के कारण जाति प्रमाण-पत्र जारी करने में दिक्कत की शिकायतें सामने आई हैं। प्रमाण-पत्र नहीं बनने से बच्चों को शिक्षा और सरकारी योजनाओं में मिलने वाले



आरक्षण संबंधी लाभ हासिल करने में परेशानी होती है। देश के कई राज्यों में जाति निर्धारण के लिए अब भी ऐसे पुराने प्रशासनिक नियमों और परिपत्रों का हवाला दिया जाता है, जिनमें जाति को पारंपरिक रूप से पिता के वंश या उनके जाति प्रमाण-पत्र से जोड़कर देखा गया है। प्रभावित पक्षों का कहना है कि इन नियमों के कारण अकेली मां के बच्चों को अनावश्यक प्रशासनिक बाधाओं का सामना करना पड़ता है। इस मामले में अदालतों ने अलग रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों में कहा गया है कि यदि बच्चे का पालन-पोषण अकेली मां ने किया है या पिता से उसका संपर्क नहीं है, तो परिस्थितियों के आधार पर मां की जाति को प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए विचार में लिया जा सकता है। अदालतों ने बच्चे के सामाजिक परिवेश और उसके पालन-पोषण की परिस्थितियों को भी महत्वपूर्ण माना है। दिल्ली हाईकोर्ट सहित कई उच्च न्यायालयों ने भी निर्देश दिए हैं कि केवल इस आधार पर आवेदन खारिज नहीं किया जाना चाहिए कि मां के पास तलाक या न्यायिक अलगाव की डिक्री नहीं है अथवा दस्तावेजों में पिता का नाम दर्ज नहीं है। प्रभावित समुदायों और संगठनों की ओर से करीब 12 साल पुराने प्रशासनिक परिपत्र को चुनौती देते हुए विभिन्न उच्च न्यायालयों में जनहित याचिकाएं दायर की जा रही हैं।

भारतीय लोकतंत्र हमारे लिए पवित्र: चुनाव के बहिष्कार का सोच भी नहीं सकते

न्यूयॉर्क। राहुल गांधी ने यह बात गुरुवार को यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो में प्रोफेसर रॉबर्ट पेप के साथ हुए संवाद में कहा कि भारतीय लोकतंत्र हमारे लिए पवित्र है। मेरे लिए यह कहना भी मुश्किल है कि भारतीय लोकतंत्र में कोई समस्या है। अगर हमने चुनावों का बॉयकॉट करने का फैसला किया, तो उसी पल भारतीय लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। राहुल ने कहा कि हम लोकतंत्र को खत्म नहीं करना चाहते। हमारी स्ट्रैटजी है कि हम लड़ें और भारत के लोगों को बताएं कि देश में क्या चल रहा है। विपक्ष को चुनावी प्रक्रिया में काफी नुकसान उठाना पड़ा है। इसके बावजूद चुनाव का बहिष्कार नहीं करेंगे।

राहुल गांधी दो दिवसीय अमेरिका के दौरे पर हैं। बुधवार को उन्होंने कोलंबिया यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। हम जानबूझकर चुनावी बहिष्कार का कदम नहीं उठा रहे हैं और हमें भरोसा है।



मास्को के रेड स्कवायर में बर्फबारी का आनंद लेते हुए लोग।

इंतजार खत्म वायुसेना प्रमुख आशुतोष दीक्षित ने राष्ट्रीय सुरक्षा सम्मेलन में की घोषणा

स्वदेशी तेजस एमके-1ए का पहला स्क्वाड्रन जल्द वायुसेना में होगा शामिल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

स्वदेशी हलके लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस एमके-1ए के वायुसेना में शामिल होने का इंतजार अब जल्द खत्म होने वाला है। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने राष्ट्रीय सुरक्षा सम्मेलन में घोषणा की कि तेजस एमके-1ए इसी चालू वित्त वर्ष 2026-27 के अंदर वायुसेना की परिचालन सेवा में शामिल कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि 31 मार्च 2027 से पूर्व तेजस एमके-1ए की पहली पूरी स्क्वाड्रन वायुसेना को सौंप दी जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने अगले साल तेजस एमके-2 के अनावरण और पांचवीं पीढ़ी के एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) प्रोजेक्ट पर भी तीव्र गति से काम जारी रहने की पुष्टि की।

मीडिया रिपोर्ट में वायुसेना प्रमुख दीक्षित के मुताबिक योजना के तहत सबसे पहले तेजस एमके-1ए का एक पूर्ण स्क्वाड्रन तैयार कर तैनात किया जाएगा, जिसके पश्चात इसके व्यापक उत्पादन और आपूर्ति को और आगे बढ़ाया जाएगा। बता दें तकनीकी परीक्षणों के दौरान सामने आई कुछ कमियों के कारण इस विमान की डिलीवरी में पूर्व में कुछ विलंब हुआ था। वायुसेना ने



सुधार के लिए चार प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की थी। विशेषज्ञों के मुताबिक डीआरडीओ और एचएएल के संयुक्त प्रयासों से इन सभी तकनीकी सुधारों को पूरा कर लिया गया है। इस दौरान स्वदेशी रूप से विकसित नए हथियारों को भी विमान में एकीकृत किया गया और उनके सफल उड़ान परीक्षण किए गए। वायुसेना के लिए इस स्वदेशी विमान की समय पर तैनाती इसलिए भी जरुरी है, क्योंकि पुराने हो चुके मिग-21 फाइटर जेट्स की सेवानिवृत्ति के बाद बेड़े में लड़ाकू विमानों की कमी आई है। 26 सितंबर 2025 को चंडीगढ़ एयरबेस पर आयोजित एक औपचारिक समारोह में मिग-21 विमानों को विदाई दी गई थी। मिग-21 के हटने के बाद वायुसेना के पास सक्रिय लड़ाकू स्क्वाड्रनों की संख्या घटकर 29 रह गई थी, जबकि स्वीकृत 42 स्क्वाड्रन की है। ऐसे में तेजस एमके-1ए की पहली स्क्वाड्रन का आगमन इस रणनीतिक अंतर को कम करने में बड़ी सहायता प्रदान करेगा।

इसके अलावा वायुसेना प्रमुख ने बताया कि ज्यादा मारक क्षमता वाले तेजस एमके-2 का रोलआउट अगले वर्ष 2027 में संभावित है। क्षेत्रीय हवाई चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए भारत के अपने पांचवीं पीढ़ी के एएमसीए लड़ाकू विमान का विकास भी तेजी से आगे बढ़ा रहा है, जो वायुसेना की आत्मनिर्भरता और सतर्कता की नीति को सिद्ध करता है।

पुष्कर मेले में अच्छी नस्ल के आ रहे पशु, 800 किलो वजनी भैंसा छोटा सुल्तान चर्चा में

एजेंसी ■ अजमेर

अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेले की शुरुआत हो चुकी है। मेले में देशभर से पशुपालक अपनी बेहतरीन नस्ल के पशुओं को लेकर पहुंच रहे हैं। मेले में एक से बढ़कर एक नस्ल के पशु लोगों का ध्यान खींच कर रहे हैं। इसी बीच पुष्कर पशु मेले में इस बार 51 लाख रुपए कीमत का 800 किलो वजनी भैंसा आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। छोटा सुल्तान नाम का यह भैंसा अपनी भारी-भरकम कद-काठी के चलते लोगों के बीच चर्चा का विषय बना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पशुपालक जगेश इस भैंसे को ग्वालियर से लेकर आएं है। इसका नाम छोटा सुल्तान है और यह साढ़े तीन साल का मुर्रा भैंस नस्ल का भैंसा है। इसका वजन करीब 800 किलो है। इसकी ऊंचाई साढ़े पांच फीट और लंबाई करीब 9 फीट है। भारी शरीर और आकर्षक बनावट के कारण मेले में आने वाले लोग इसे देख कर रुक जाते हैं। कई पशुपालक भी इसकी नस्ल और देखभाल के बारे में जानकारी ले रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पशुपालक बताते हैं छोटे सुल्तान कि खुराक भी खास है।

ब्रीफ न्यूज

डीएसपी और यूनियन म्यूचुअल फंड में आईडीसीडब्ल्यू का ऐलान, मिलेगा आय वितरण

नई **दिल्ली ।** म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए अच्छी खबर है। डीएसपी म्यूचुअल फंड और यूनियन म्यूचुअल फंड ने अपनी दो लोकप्रिय स्कीम्स में इनकम डिस्ट्रीब्यूशन कम कैपिटल विदड्रॉल (आईडीसीडब्ल्यू) के तहत भुगतान करने की घोषणा की है। यह कदम निवेशकों को आय वितरण का एक अवसर प्रदान करेगा। डीएसपी म्यूचुअल फंड ने अपनी डीएसपी ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड स्कीम के रेगुलर और डायरेक्ट, दोनों प्लान के आईडीसीडब्ल्यू विकल्प में 0.55 रुपये प्रति यूनिट देने का ऐलान किया है। वहीं यूनियन म्यूचुअल फंड ने यूनियन अग्रेसिव हाइब्रिड फंड के रेगुलर और डायरेक्ट प्लान के आईडीसीडब्ल्यू विकल्प में 0.10 रुपये प्रति यूनिट देने की घोषणा की है। इन दोनों स्कीम्स के लिए रिकॉर्ड डेट 19 नवंबर निर्धारित की गई है। गौरतलब है कि बाजार नियामक सेबी ने अप्रैल 2021 से लाभांश (डिविडेंड) का नाम बदलकर आईडीसीडब्ल्यू कर दिया था। उदाहरण के तौर पर, डीएसपी ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड की 10,000 यूनिट पर 5,500 रुपये और यूनियन अग्रेसिव हाइब्रिड फंड की उतनी ही यूनिट पर 1,000 रुपये का भुगतान होगा। यह राशि टैक्स और अन्य लागू कटौतियों से पहले की है। निवेशकों को यह समझना महत्वपूर्ण है कि आईडीसीडब्ल्यू के भुगतान से स्कीम की नेट एसेट वैल्यू घट जाती है, अतिरिक्त मुनाफा नहीं मानना चाहिए। भुगतान रिकॉर्ड डेट के बाद होगा, और आईडीसीडब्ल्यू का नियमित वितरण फंड हाउस के निर्णय और स्कीम की बांटी जा सकने वाली रकम पर निर्भर करता है।

रुपया आठ पैसे टूटकर 93.49 प्रति डॉलर पर खुला

मुंबई । अमेरिकी डॉलर में मजबूती और घरेलू शेयर बाजारों में कमजोरी के बीच रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में आठ पैसे टूटकर 93.49 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और विदेशी पूंजी के प्रवाह से रुपये की गिरावट सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.40 प्रति डॉलर पर खुला और फिर गिरकर 93.49 प्रति डॉलर पर आ गया। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले आठ पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 10 पैसे मजबूत होकर 93.41 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इससे पहले के दो कारोबारी सत्रों में इसमें कुल 68 पैसे की तेजी आई थी। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत बढ़कर 103.90 पर रहा।

पीएनबी ने एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट से की साझेदारी

नई दिल्ली । पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड (एसबीआईएफएमएल) के साथ एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। यह समझौता पीएनबी के व्यापक शाखा नेटवर्क के ज़रिए ग्राहकों को एसबीआई म्यूचुअल फंड की निवेश योजनाओं तक सीधी पहुंच प्रदान करेगा।

एंथ्रोपिक ने रचा इतिहास, बना दुनिया का सबसे बड़ा आईपीओ

एलन मस्क की स्पेसएक्स को पछाड़ा, गूगल-माइक्रोसॉफ्ट ने किया निवेश

एजेंसी ■ नई दिल्ली



आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी एंथ्रोपिक पीबीसी ने शेयर बाजार में उतरते ही एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कंपनी ने अपने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) और निजी प्लेसमेंट के जरिए कुल 107.3 अरब डॉलर (लगभग 1.07 लाख करोड़ डॉलर) जुटाकर दुनिया के सबसे बड़े आईपीओ का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने एआई उद्योग में निवेश के एक नए युग की शुरुआत की है और इसे एआई तकनीक के विकास के लिए एक अहम पड़ाव माना जा रहा है। एंथ्रोपिक ने एलन मस्क की स्पेसएक्स के 75 अरब डॉलर के पिछले रिकॉर्ड को ध्वस्त करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने 83 डॉलर प्रति शेयर के भाव पर 95.64 करोड़ शेयर बेचे, जो शुरुआती अनुमानित दायरे (70-78 डॉलर प्रति शेयर) से काफी अधिक था। इसके अतिरिक्त, कंपनी के सात सह-संस्थापकों ने भी इसी कीमत पर 2.36 करोड़ शेयर बेचे। इस विशाल पेशकश में 26 अरब डॉलर का निजी प्लेसमेंट भी शामिल था, जिसमें गूगल, एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेज (एएमडी) और माइक्रोसॉफ्ट जैसी प्रौद्योगिकी दिग्गजों ने बड़ा निवेश किया। निजी प्लेसमेंट को हटा दें तो भी एंथ्रोपिक का 81.3 अरब डॉलर का आईपीओ अब तक का सबसे बड़ा रहा है, जिससे कंपनी का पूरी तरह से डाइल्यूटेड वैल्यूएशन लगभग 1.5 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच गया है। एंथ्रोपिक की यह लिस्टिंग एआई उद्योग के लिए एक गेम-चेंजर मानी जा रही है। अब तक निवेशकों का ध्यान मुख्य रूप से एआई के लिए चिप और बुनियादी ढांचा तैयार करने वाली कंपनियों पर था, लेकिन इस आईपीओ ने दिखाया है कि निवेशक अब क्लाउड-आधारित एआई प्लेटफॉर्म विकसित करने वाली कंपनियों में भी गहरी रुचि ले रहे हैं। इन प्लेटफॉर्म्स का उपयोग व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहा है। एंथ्रोपिक के आईपीओ को उपलब्ध शेयरों की तुलना में लगभग सात गुना अधिक मांग मिली, जिसमें वॉल स्ट्रीट से लेकर लंदन और टोक्यो तक के वैश्विक निवेशकों ने उत्साह दिखाया।

मस्क का हुआंग को समर्थन, प्रतिभाशाली सीईओ बताया

ऑस्टिन । स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने एनवीडिया के पूर्व प्रमुख जेन्सेन हुआंग के समर्थन में खुलकर बात की है, उन्हें माइकल जॉर्डन जैसा प्रतिभाशाली उद्यमी बताते हुए अपनी कंपनी में काम पर रखने तक की पेशकश कर डाली। हालांकि, एनवीडिया का बोर्ड हुआंग को वापस लाने के किसी भी विचार के खिलाफ अडिग है, खासकर राष्ट्रीय सुरक्षा और कथित चीनी जासूस के साथ उनके संबंधों को लेकर बढ़ते विवाद के बीच। मस्क ने यहां एक स्थानीय अखबार के डील बुक समिट में बोलते हुए एनवीडिया के इस कदम की तुलना शिकागो बुल्स द्वारा माइकल जॉर्डन को जीत के बीच टीम से निकाले जाने से की, और हुआंग को इतिहास के सबसे प्रतिभाशाली उद्यमी सीईओ में से एक बताया। उन्होंने कहा कि हुआंग अकेले ही कई लोगों का काम संभालते हैं, सप्लाई चेन का प्रबंधन करते हैं और उनके पास दशकों के गहरे व मजबूत संबंध हैं। मस्क ने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह निश्चित रूप से हुआंग को काम पर रखेंगे, क्योंकि उनकी जगह कोई नहीं ले सकता। इसके विपरीत, एनवीडिया बोर्ड ने हुआंग की बहाली की संभावना को सिरे से खारिज कर दिया है और एक स्थायी उत्तराधिकारी की तलाश शुरू कर दी है।

वेतन वृद्धि से मांग बढ़ाएं, निजी निवेश को गति दें : डीईए सचिव

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य हेतु सार्वजनिक-निजी भागीदारी पर भी दिया जोर

एजेंसी ■ नई दिल्ली



आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) की सचिव अनुराधा ठाकुर ने गुरुवार को उद्योग जगत से वेतन में ठहराव की स्थिति दूर करने का आग्रह किया। फिक्की के वार्षिक सम्मेलन में उन्होंने कहा कि वेतन बढ़ने से मांग को प्रोत्साहन मिलेगा और अर्थव्यवस्था के विस्तार का सकारात्मक चक्र मजबूत होगा। ठाकुर ने देश की आर्थिक वृद्धि बनाए रखने के लिए निजी निवेश बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, यह देखते हुए कि अप्रैल से निवेश गतिविधियों में तेजी दिख रही है और विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक सुधार के संकेत मिल रहे हैं। उन्होंने भारत को अपनी विकास यात्रा के महत्वपूर्ण दौर में बताया, जहां सार्वजनिक-निजी भागीदारी और उद्योग, सरकार व समुदायों के बीच सहयोग से आर्थिक वृद्धि को गति मिल सकती है। विकसित भारत 2047 के लक्ष्य का जिक्र करते हुए उन्होंने मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों को इसे हासिल करने का अवसर बताया। ठाकुर ने पिछले दशक के सुधारों, जैसे जीएसटी, की सराहना की और सुधारों की प्रक्रिया जारी रखने पर जोर दिया। डीईए सचिव ने उद्योग जगत से सरकार के साथ मिलकर काम करने और सार्वजनिक-निजी भागीदारी, मांग बढ़ाने व कर्मचारियों की स्थिति बेहतर बनाने जैसे क्षेत्रों में सहयोग का आग्रह किया। विश्व बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए ठाकुर ने बताया कि अत्यधिक गरीबी 2011 के 27.1 फीसदी से घटकर 2023 में 2.6 फीसदी रह गई है, जो सरकारी प्रयासों की सफलता को दर्शाता है। उन्होंने उद्योगों से विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में सरकार के साथ साझेदारी मजबूत करने का आह्वान किया।

खुदरा कर्ज में बूम, पर कुछ श्रेणियों में बढ़ रही डिफॉल्ट की चिंता

नई दिल्ली । देश में खुदरा कर्ज का बाजार तेजी से फल-फूल रहा है, पर इसकी चमक के पीछे कुछ श्रेणियों में बढ़ते डिफॉल्ट (किस्त चुकाने में देरी) की चिंताएं भी मंडरा रही हैं। एक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, खासकर गोल्ड लोन, कंज्यूमर ड्यूरेबल लोन और पर्सनल लोन में शुरुआती दबाव के संकेत मिल रहे हैं। सितंबर के अंत तक देश का कुल खुदरा कर्ज पोर्टफोलियो सालाना आधार पर 18.8 फीसदी बढ़कर 185.2 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। गोल्ड लोन 60.6 फीसदी की वृद्धि के साथ सबसे तेजी से बढ़ने वाली कर्ज श्रेणी बनकर उभरा। इसके बाद सिक्योर्ड बिजनेस लोन (45.2 फीसदी) और कंज्यूमर ड्यूरेबल लोन (44.5 फीसदी) का स्थान रहा। हालांकि, इस वृद्धि के साथ ही कुछ चिंताजनक रुझान भी सामने आए हैं। गोल्ड लोन में 31 से 90 दिन तक किस्त बकाया रहने के मामले जून के 0.9 फीसदी से बढ़कर सितंबर में 1.3 फीसदी हो गए हैं। वहीं, 31 से 180 दिन तक की बकाया कर्ज की हिस्सेदारी भी 1.3 फीसदी से बढ़कर 1.6 फीसदी हो गई है। यह स्थिति बढ़ती आर्थिक अनिश्चितता के बीच कर्ज लेने वालों पर बढ़ते वित्तीय दबाव को उजागर करती है।

ईपीएफओ की नई योजना, रिटायरमेंट के बाद पीएफ किस्तों में मिलेगा



सेवानिवृत्ति के बाद भी खाते में रहेगा पैसा, मिलेगा ब्याज

एजेंसी ■ नई दिल्ली

रिटायरमेंट के बाद भविष्य निधि (पीएफ) का पैसा एक साथ निकालने के बजाय अब धीरे-धीरे निकालने की सुविधा मिल सकती है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) इसके लिए सिस्टमैटिक विदड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) लाने पर विचार कर रहा है, जिससे सेवानिवृत्ति के बाद भी आपके पैसे पर ब्याज मिलता रहेगा और नियमित आय सुनिश्चित होगी। ईपीएफओ रिटायरमेंट फंड से पैसा निकालने के लिए अपने सदस्यों को अधिक विकल्प देने की तैयारी में है। प्रस्तावित एसडब्ल्यूपी योजना के तहत, कर्मचारी अपनी जरूरत के अनुसार पीएफ खाते से किस्तों में पैसा निकाल सकेंगे। यह मौजूदा व्यवस्था से अलग होगा, जहां कर्मचारी 55 साल की उम्र में रिटायर होने पर पूरी राशि एकमुश्त निकाल सकते हैं। एसडब्ल्यूपी से यह सुनिश्चित होगा कि रिटायरमेंट के बाद भी आपका फंड निवेशित रहे और उस पर ब्याज मिलता रहे, जिससे आपको नियमित आय का विकल्प मिलेगा। इन अहम प्रस्तावों पर अंतिम निर्णय लेने के लिए ईपीएफओ के सर्वोच्च निर्णय लेने वाले निकाय, सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की बैठक 19 नवंबर को होने वाली है। इस बैठक में न केवल एसडब्ल्यूपी पर विचार किया जाएगा, बल्कि कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) के तहत न्यूनतम मासिक पेंशन को 1,000 रुपए से बढ़ाकर 3,000 रुपए करने के प्रस्ताव पर भी गहन चर्चा होगी, जिससे लाखों पेंशनभोगियों को सीधा लाभ मिलेगा। सीबीटी में सरकार, नियोक्ताओं और कर्मचारियों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं।

म्यूचुअल फंड निवेशकों का रुझान बदला लार्जकैप फंडों ने स्मॉलकैप को पछाड़ा

बीते एक महीने में लार्जकैप फंडों ने दिया 9.8 फीसदी का शानदार रिटर्न

एजेंसी ■ नई दिल्ली



बीते एक महीने में भारतीय म्यूचुअल फंड बाजार में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है, जहां लार्जकैप फंडों ने निवेशकों को शानदार रिटर्न देकर स्मॉलकैप और मिडकैप फंडों को काफी पीछे छोड़ दिया है। इस अवधि में लार्जकैप फंडों ने जहां 9.8 फीसदी का प्रभावशाली रिटर्न दिया, वहीं स्मॉलकैप फंडों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और उन्हें केवल 0.7 फीसदी का रिटर्न मिला। मिडकैप फंडों ने 4 फीसदी का रिटर्न दर्ज किया।

रिटर्न के साथ-साथ, निवेशकों के रुझान में भी स्पष्ट बदलाव आया है, जिसमें लार्जकैप फंडों में शुद्ध निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जबकि स्मॉलकैप फंडों से निवेश घटा है। अक्टूबर 2026 की एक रिपोर्ट के अनुसार बीते एक महीने में भारतीय शेयर बाजार ने शानदार वापसी की और भारतीय इक्विटी फंड का औसत प्रदर्शन 6 फीसदी रहा। इसके विपरीत, वैश्विक इक्विटी फंड और सोने-चांदी में निवेश करने वाले फंडों में गिरावट देखी गई। रिपोर्ट बताती है कि लार्जकैप म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश 9,634 करोड़ रुपये से बढ़कर 13,887 करोड़ रुपये हो गया, जो लगभग 44 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। वहीं, स्मॉलकैप फंड में शुद्ध निवेश 8,071 करोड़ रुपये से घटकर 5,152 करोड़ रुपये रह गया, जिसमें लगभग 36 फीसदी की गिरावट आई। जानकारों का मानना है कि इस तेजी के पीछे विदेशी निवेशकों की भारतीय बाजार में वापसी और उनका बड़ी कंपनियों के शेयरों पर केंद्रित ध्यान एक प्रमुख वजह रहा। वैश्विक स्तर पर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)से जुड़ी कंपनियों में अत्यधिक निवेश पर सवाल उठने और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण ब्याज दरों में वृद्धि की आशंकाओं ने सोने-चांदी जैसी परिसंपत्तियों पर दबाव डाला।

एंथ्रोपिक ने आईपीओ से रचा इतिहास, निवेशकों का एआई पर गहरा भरोसा

नई दिल्ली । आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी एंथ्रोपिक ने दुनिया का सबसे बड़ा आईपीओ पेश कर शेयर बाजार में इतिहास रचा है। निवेशकों की जबरदस्त मांग के चलते कंपनी के शेयर शुरुआती अनुमानित मूल्य 70-78 डॉलर से कहीं अधिक, 83 डॉलर प्रति शेयर पर अलॉट किए गए हैं। यह एआई तकनीक में बढ़ते वैश्विक भरोसे का स्पष्ट संकेत है, हालांकि कंपनी के सामने अब भी कई बड़ी चुनौतियां हैं। नैस्डैक पर एएनटी टिकर के तहत कारोबार शुरू करने जा रहे एंथ्रोपिक के एआई मॉडल क्लॉड, विशेषकर क्लॉड कोड की सॉफ्टवेयर डेवलपर्स के बीच लोकप्रियता ने इस सफलता में अहम भूमिका निभाई है। कंपनी की फाइलिंग के अनुसार, 31 अक्टूबर 2026 तक उसका सालाना राजस्व रन रेट 81 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, और 1 लाख डॉलर से अधिक राजस्व वाले ग्राहकों की संख्या में भारी वृद्धि देखी गई है।

कृषि क्षेत्र में महिला शक्ति की भारत की गरीबी उन्मूलन में निर्णायक भूमिका

आईसीएआर का मुख्य जोर महिला सशक्तीकरण और नवाचार पर

एजेंसी ■ भुवनेश्वर



भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में विश्व बैंक की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए खुलासा किया कि पिछले 12-13 वर्षों में भारत में 50 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं। इस अभूतपूर्व उपलब्धि में कृषि क्षेत्र से जुड़ी ग्रामीण महिलाओं का योगदान असाधारण रहा है, जिसे दुनिया में अपनी तरह का सबसे तेज और बड़ा प्रयास बताया गया है।

जाट ने केंद्रीय महिला कृषि संस्थान (सीआइडब्ल्यूए) द्वारा आयोजित पूर्वी क्षेत्रीय कृषि मेले को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि आईसीएआर का मुख्य जोर महिला सशक्तीकरण और नवाचार पर है। संस्थान कृषि क्षेत्र में महिलाओं से संबंधित शोध के लिए समर्पित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब महिलाओं को केवल कठिन शारीरिक श्रम तक सीमित रखने के बजाय उन्हें नवाचार और कृषि-खाद्य मूल्य श्रृंखला, जिसमें खाद्य प्रसंस्करण और विपणन शामिल है, से जोड़ने पर बल दिया जा रहा है। अ?धिकारी ने बताया कि आईसीएआर शोध से जुड़ी कमियों को पहचान कर उन्हें दूर करने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने जोर दिया कि कृषि, खेती और ग्रामीण आजीविका में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए सरकार और समाज को मिलकर काम करना होगा, जिसमें कौशल विकास की अहम भूमिका है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी इस तरह की पहलों को आगे बढ़ाने में अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है।

मंजूरी निदेशक मंडल को नहीं था अधिकार, आरबीआई के पास है मुकदमा चलाने की मंजूरी देने का हक

चंदा कोचर को बड़ी राहत, हाई कोर्ट ने मुकदमे की मंजूरी रद्द की

एजेंसी ■ नई दिल्ली



बंबई उच्च न्यायालय ने आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रबंध निदेशक चंदा कोचर को वीडियोकॉन ऋण मामले में बड़ी राहत प्रदान की है। न्यायालय ने उन पर मुकदमा चलाने के लिए बैंक के निदेशक मंडल द्वारा दी गई मंजूरी को रद्द कर दिया है, यह कहते हुए कि यह अधिकार निदेशक मंडल के पास नहीं बल्कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पास था। अदालत ने स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम (पीसी एक्ट) के तहत किसी बैंक के प्रबंध निदेशक के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने का अधिकार बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के तहत केवल भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पास है, न कि बैंक के निदेशक मंडल के पास। न्यायालय ने यह भी पाया कि 15 मई, 2023 के मंजूरी आदेश में तथ्यों पर उचित विचार नहीं किया गया था और सबूतों की स्वतंत्र जांच नहीं हुई थी। इसके परिणामस्वरूप, उच्च न्यायालय ने मंजूरी और मामले में विशेष सीबीआई अदालत की ओर से की गई आगे की सभी कार्रवाइयों को रद्द कर दिया। सीबीआई की ओर से इस फैसले पर 8 सप्ताह की रोक लगाने की मांग को भी अदालत ने खारिज कर दिया। चंदा कोछड़ ने पीसी एक्ट की धारा 19 के तहत दी गई इस मंजूरी को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। सीबीआई ने आरोप लगाया था कि आईसीआईसीआई बैंक प्रमुख रहते हुए कोछड़ ने वीडियोकॉन समूह को ऋण दिलाने में मदद की थी, जबकि उनके पति के समूह के प्रवर्तक वेणुगोपाल धूत के साथ कारोबारी संबंध थे। एजेंसी के अनुसार, ऋण मंजूरी के बाद उन्हें उनके पति से जुड़ी एक कंपनी के जरिए 64 करोड़ रुपये की अवैध रकम मिली थी। कोचर ने इन आरोपों से इनकार किया है।

कार्नेलियन का फ्लेक्सी कैप फंड जल्द, निवेशकों को मिलेगा निवेश का मौका

सेबी के पास ड्राफ्ट जमा, 500 रुपए से शुरू कर सकेंगे निवेश

नई दिल्ली । म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए खुशखबरी! कार्नेलियन म्यूचुअल फंड एक नई फ्लेक्सी कैप स्कीम कार्नेलियन फ्लेक्सी कैप फंड लाने की तैयारी में है। इसके लिए ड्राफ्ट दस्तावेज बाजार नियामक सेबी को सौंप दिए गए हैं। यह फंड निवेशकों को विभिन्न बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों- लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप में निवेश का व्यापक अवसर प्रदान करेगा। यह एक ओपन-एंडेड स्कीम होगी, जिसका अर्थ है कि निवेशक अपनी सुविधा अनुसार इसमें कभी भी पैसा लगा या निकाल सकते हैं। फंड मैनेजर के पास बाजार की परिस्थितियों के अनुसार लार्ज, मिड और स्मॉल कैप कंपनियों के शेयरों के बीच निवेश आवंटित करने का पूरा लचीलापन होगा। निवेशक इस स्कीम में न्यूनतम 500 रुपये से शुरुआत कर सकेंगे, जिसके बाद एक रुपये के गुणक में अतिरिक्त निवेश संभव होगा। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) की न्यूनतम राशि भी 500 रुपये रखी गई है,दैनिक एसआईपी के लिए कम से कम 30 किस्तों और अन्य विकल्पों के लिए 12 किस्तों की आवश्यकता होगी।

ब्रीफ न्यूज़

निकोल्स का कैच छोड़ने वाले पडिक्कल पर भड़के गंभीर और ऋषभ

वैलिंगटन। न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां जारी पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन भारतीय गेंदबाजों ने अच्छी शुरुआत करते हुए आधी मेजबान टीम को 70 रनों पर ही पेवेलियन भेज दिया। इस दौरान मेजबान बल्लेबाज हेनरी निकोल्स ने भारतीय गेंदबाजों की मेहनत पर पानी फेर दिया निकोल्स ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से न सिर्फ टीम को संभाला बल्कि एक बेहतरीन शतक भी जड़ा। यह शतक तब और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब न्यूजीलैंड की टीम ने मात्र 70 रनों पर अपने 5 महत्वपूर्ण विकेट गंवा दिए थे। ऐसे में निकोल्स की पारी मेजबान टीम के लिए संकटमोचक साबित हुई है, और वे एक छोर पर टिके रहकर लगातार रन बना रहे थे, जिससे भारतीय खेमा विकेट की तलाश में था। भारतीय टीम के पास निकोल्स को 102 रन के निजी स्कोर पर पवेलियन भेजने का एक सुनहरा अवसर आया था पर ये हाथ से निकल गया क्योंकि प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर देवदत्त पडिक्कल ने एक आसान सा कैच छोड़ दिया। जिसके बाद कप्तान शुभमन गिल व विकेटकीपर ऋषभ पंत पडिकल पर भड़क गये। ये कैच ऐसे समय में हुई जब भारतीय टीम को एक विकेट की सख्त जरूरत थी जिससे न्यूजीलैंड पर दबाव बनाया जा सके। इस कैच के गिरने से भारतीय टीम खासी निराश दिखी। ऐसे महत्वपूर्ण मौकों पर कैच का छूटना किसी भी टीम के मनोबल पर गहरा असर डालता है। खासकर तब, जब विरोधी टीम का बल्लेबाज शतक बनाकर क्रीज पर जमा हो।

वर्ल्ड टेनिस लीग में पाउला बडोसा, भांबरी और नागल भी खेलते दिखेंगे

बेंगलुरु। बेंगलुरु में अगले माह वर्ल्ड टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) का पांचवां सत्र खेला जाएगा। ये मुकाबले 17 से 20 दिसंबर तक केएसएलटीए, एस.एम. कृष्णा टेनिस स्टेडियम में रखे गये हैं। इस टूर्नामेंट में देश-विदेश के शीर्ष खिलाड़ियों को खेलते देखने का अवसर टेनिस प्रशंसकों मिलेगा। इनमें स्पेन की पूर्व टॉप-10 खिलाड़ी पाउला बडोसा भी खेलती दिखेंगी। वहीं भारत की बात करें तो युकी भांबरी और सुमित नागल जैसे स्टार खिलाड़ी इसमें खेलते दिखेंगे। इनके अलावा, दक्षिणेश्वर सुरेश, माया राजेश्वरन रेवती और श्रीवल्ली भामिदिपति जैसे उभरते खिलाड़ी भी शामिल होंगे। वर्ल्ड टेनिस लीग के सह-संस्थापक और भारतीय टेनिस के दिग्गज महेश भूपति इस टूर्नामेंट को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, पिछला सीजन वर्ल्ड टेनिस लीग के लिए एक बेहद रोमांचक अध्याय था, जिसमें अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं और भारतीय खिलाड़ियों को खेलते हुए देखने का अवसर मिला था। अब पांचवें सत्र में भी हम लय को बनाये रखना चाहते है।वहीं डब्ल्यूटीएल की सह-संस्थापक हेमाली शर्मा ने भी बेंगलुरु में लीग की वापसी पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, हम वर्ल्ड टेनिस लीग को बेंगलुरु में वापस लाकर बेहद खुश हैं।



टूरिन में स्पेन के टेनिस स्टार कार्लोस अल्कराज ग्रुप स्तर के मैच में रुस के डानिल मेदवदेव के खिलाफ खेलते हुए

मेदवेदेव को हराकर अल्काराज एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी ■ टूरिन

स्पेन के टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज एटीपी फाइनल्स 2026 में जीत के साथ ही सेमीफाइनल में पहुंच गये हैं। अल्काराज ने यहां रुस के डेनिल मेदवेदेव को सीधे सेटों में 6-2, 6-4 से हराया। इस जीत के साथ अल्काराज ने अपनी लगातार 11वीं जीत दर्ज की और टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाये रखा है। इस निर्णायक मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त अल्काराज ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाने हुए चौथी वरीयता प्राप्त मेदवेदेव पर दबाव बना दिया। 72 मिनट तक चले मुकाबले में अल्काराज हावी रहे। स्पेनिश खिलाड़ी को एक भी ब्रेक अंक का सामना नहीं करना पड़ा, जो उनकी शानदार सर्विस और बेहतरीन कोर्ट नियंत्रण को दिखता है। इस जीत से वह सेमीफाइनल की दौड़ में सबसे मजबूत स्थिति में पहुंच गए हैं। मेदवेदेव जैसे शीर्ष वरीयता वाले खिलाड़ी के खिलाफ मिली जीत से भी उनका मनोबल बढ़ा है। ऐसे में अब उनकी नजरें ग्रुप स्तर का अंतिम मुकाबला जीतकर अपने अभियान को और मजबूती से आगे बढ़ाना है। वहीं मुकाबले के दूसरे सेट में 2-1 की बढ़त बनाने के बाद अल्काराज को बाएं पैर के ऊपरी हिस्से में दर्द से परेशानी हुई। इस कारण उन्हें हल्का उपचार भी लेना पड़ा। इसका हालांकि उनके खेल पर प्रभाव नहीं पड़ा। मैच के बाद अल्काराज ने अपने प्रदर्शन पर संतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा, मुझे लगता है कि मैंने सब कुछ बहुत अच्छे से किया। मैंने बहुत अच्छी वापसी की। दूसरी सर्विस पर मैंने काफी आक्रामक और गहराई तक रिटर्न किए। इसके बाद मैं अपनी खेल शैली के अनुसार बहुत बढ़िया खेल रहा था। उन्होंने आगे जोड़ा, मैं इसे लेकर बहुत खुश हूं। मेदवेदेव के खिलाफ आपको शांत और तरोजाता बने रहना पड़ता है, क्योंकि आपको बहुत सारी गेंदें खेलनी पड़ती हैं। गौरतलब है कि अल्काराज 2025 में भी एटीपी फाइनल्स के खिताबी मुकाबले तक पहुंचे थे, जहां उन्हें इटली के यानिक सिनर के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इस बार अल्काराज की नजरें एक कदम आगे बढ़कर खिताब जीतने पर टिकी हैं।

सैंडपेपरगेट मामले से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के मतभेद सामने आये : अश्विन

बहरहाल इस पूरे मामले से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की छवि जरुर खराब हो रही

एजेंसी ■ चेन्नई



भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि सैंडपेपरगेट मामले को लेकर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट दो भागों में बंटता नजर आ रहा है। इसमें कुछ लोग आरोप लगाने वाले पूर्व सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के साथ हैं। वहीं कई लोग उनके विरोध में है, बहरहाल इस पूरे मामले से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की छवि जरुर खराब हो रही है। ख्वाजा की हाल ही में रिलीज हुई किताब सब्र ने 2018 में केपटाउन टेस्ट के दौरान हुए इस सैंडपेपरगेट विवाद को फिर से उजागर किया है।

अश्विन ने इस पूरे प्रकरण और ऑस्ट्रेलियाई टीम के सदस्यों के अलग-अलग बयानों पर अपनी राय रखी है। अश्विन ने कहा कि ख्वाजा ने अपनी किताब में अपनी बात स्पष्ट तरीके से बताई है। उन्होंने ख्वाजा के इस दावे पर भी ध्यान दिलाया कि वह सामूहिक जवाबदेही मांग रहे हैं। ख्वाजा का कहना है कि इस घटना के बारे में केवल तीन लोग नहीं, बल्कि और भी लोग जानते थे। अश्विन ने ऑस्ट्रेलियाई खेमे के भीतर के विरोधाभासी बयानों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने ख्वाजा के दावों को आधारहीन , बकवास और बिना सबूत वाला बताया। अश्विन ने कमिंस की एक क्रिकेटर के तौर पर प्रशंसा करते हुए भी इस बात पर जोर दिया। हालांकि, उन्होंने डेविड वॉर्नर के बयान को चिंता की बात करार दिया, क्योंकि वॉर्नर का बयान ख्वाजा के दावों का समर्थन करता है। वॉर्नर स्वयं 2018 की घटना में शामिल थे और उन पर प्रतिबंध भी लगा था।अश्विन ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ द्वारा केस को दोबारा न खोलने वाले बयान को सही तरीका बताया। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि इन अलग-अलग बयानों ने ऑस्ट्रेलियाई ड्रेसिंग रूम में पुरानी दरारों को फिर से हरा कर दिया है। उनके अनुसार, यह बात बिल्कुल साफ है कि इस मुद्दे पर विचारों और राय को लेकर ड्रेसिंग रूम में पहले भी मतभेद थे, और यह दरारें अब भी खत्म नहीं हुई हैं। अश्विन के लिए यह स्थिति ज्यादा चिंता की बात है। गौरतलब है कि ख्वाजा ने अपनी किताब सब्र में दावा किया है कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2018 के टेस्ट मैच के दौरान क्रिकेट बॉल पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करने की जानकारी पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि पोर्ट एलिजाबेथ में पिछले टेस्ट में भी टीम ने ऐसा ही किया था।ज्ञात हो कि 2018 के सैंडपेपरगेट मामले में तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ, गेंद पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करने वाले कैमरन बैनक्रॉफ्ट और डेविड वॉर्नर को दोषी ठहराया गया था और उन पर कड़ी सजा लगाई गई थी। मौजूदा कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी उस मैच का हिस्सा थे। ऐसे में कमिंस द्वारा मामले की जानकारी न होना और ख्वाजा के दावों को पूरी तरह से गलतकरार देना, न केवल विवाद को बढ़ाता है बल्कि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में विचारों में मतभेद भी दिखाता है।

अब बीबीएल में खेलते हुए लय हासिल करने का प्रयास करेंगे लाबुशेन

ब्रिस्बेन हीट ने किया है रिटेन

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई टीम से बाहर हुए अनुभवी बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन अब अगले माह घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) में बेहतर प्रदर्शन कर अपना खाया फार्म हासिल करने उतरेंगे। ब्रिस्बेन हीट ने बीबीएल के 16वें सीजन के लिए लाबुशेन को अपनी टीम में बनाये रखा है। लाबुशेन लगातार 11वें सत्र में ब्रिस्बेन के लिए खेलते नजर आएंगे, जो टीम के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और महत्व को दर्शाता है। उन्हें क्रिस लिन जैसे प्रमुख खिलाड़ी के साथ बरकरार रखे गए खिलाड़ियों की सूची में रखा गया है।वहीं क्वींसलैंड क्रिकेट के जनरल मैनेजर परफॉर्मेंस, बेनेट किंग ने लाबुशेन के अनुभव और प्रतिस्पर्धी स्वभाव की सराहना की। किंग ने कहा, मार्नस जब भी मैदान पर उतरते हैं, वे अपना शत-प्रतिशत देते हैं। ऐसा बहुत कम है, जो उन्होंने अपने करियर में अब तक क्रिकेट के मैदान पर अनुभव न किया हो। उनका अनुभव अनमोल है और उनकी विविध स्किल्स हमें विरोधी टीमों के खिलाफ रणनीतिक रूप से मदद करेंगी, साथ ही हमारे समग्र स्क्वॉड में संतुलन भी प्रदान करेंगी। टीम ने केवल अनुभवी खिलाड़ियों पर ही भरोसा नहीं दिखाया है, बल्कि युवा प्रतिभाओं को भी मौका दिया है। टीम ने अपनी 18-सदस्यीय टीम में बची हुई जगहों को युवा तेज गेंदबाजों टॉम बाल्किन और ओली पैटरसन को शामिल करके भरा है।

इन दोनों खिलाड़ियों ने पिछले सीजन में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था और अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया था।22 वर्षीय टॉम बाल्किन ने पिछले सीजन के पांच मैचों में छह महत्वपूर्ण विकेट लिए थे, जबकि 20 वर्षीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ओली पैटरसन ने तीन मैचों में चार विकेट लिए थे। पैटरसन का घरेलू सर्किट में प्रदर्शन भी शानदार रहा है; वे लगातार दूसरे सीजन में टी20 मैक्स टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं। दोनों युवा खिलाड़ियों ने क्वींसलैंड के लिए घरेलू वनडे कप में अपना लिस्ट ए डेब्यू किया है, और बाल्किन ने प्रतिष्ठित शेफील्ड शील्ड मैच में भी हिस्सा लिया है, जो उनके बढ़ते अनुभव और बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है।

वेलिंगटन टेस्ट में डीआरएस पर उठे सवाल, शुभमन की अंपायर से हुई बहस

एजेंसी ■ वेलिंगटन

भारत और मेजबान न्यूजीलैंड के बीच गुरुवार से यहां शुरु हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन डिसीजन रिव्यू सिस्टम (डीआरएस) के एक फैसले पर पर विवाद हो गया। इससे एक बार फिर खेल में तकनीक के इस्तेमाल पर नई बहस शुरु हो गयी। इस मामले में विवाद इतना बढ़ा कि भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल की मैदानी अंपायरों से तीखी बहस तक हो गयी। ये मामला तब सामने आया जब जसप्रीत बुमराह की एक गेंद पर न्यूजीलैंड के बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स के खिलाफ एलबीडब्ल्यू की अपील को तीसरे अंपायर ने ठुकरा दिया जिससे भारतीय खिलाड़ी हैरान हो गये। यहां तक कि पूर्व क्रिकेटरों ने भी इस फैसले पर सवाल उठाये। यह घटना न्यूजीलैंड की पहली पारी के 31वें ओवर में घटी। तब बुमराह की एक तेज़ी से अंदर आती हुई गेंद सीधे ही बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स के पैड से टकराई। गेंद की लाइन और लेंथ ऐसी थी कि भारतीय टीम के सभी खिलाड़ियों को पूरा भरोसा था कि यह साफ एलबीडब्ल्यू है। सभी ने मिलकर एक जोरदार अपील की पर मैदानी अंपायर ने इसे नकारते हुए बल्लेबाज को नॉटआउट करार दिया। गेंदबाज़ बुमराह और कप्तान शुभमन गिल दोनों को पूरा विश्वास था कि गेंद बल्ले को छुए बिना सीधे पैड पर लगी है। इसलिए शुभमन ने बिना किसी देरी के तुरंत डीआरएस (रिव्यू) लेने का फैसला किया। टेलीविजन रीप्ले के दौरान जब स्निकोमीटर तकनीक का उपयोग किया गया, तो गेंद के बल्ले के बहुत करीब से गुजरते समय एक सूक्ष्म स्पाइक दिखाई दिया। हालांकि, फ्रंट-ऑन कैमरे के विज़ुअल्स में गेंद और बल्ले के बीच कोई स्पष्ट संपर्क बिल्कुल भी नजर नहीं आ रहा था। यह एक क्लासिक ग्रे एरिया था जहां तकनीक स्पष्टता देने में असमर्थ दिख रही थी। काफी देर तक विभिन्न एंगल से और धीमी गति से देखने के बाद, तीसरे अंपायर ने माना कि गेंद में शायद हल्का डिफ्लेक्शन हुआ है, और उन्होंने मैदानी अंपायर के नॉटआउट के फैसले को ही बरकरार रखा। यह फैसला भारतीय टीम के लिए किसी झटके से कम नहीं था।

सिर में गेंद लगने से गंभीर रुप से घायल हुए ग्रीन

एजेंसी ■ होबार्ट



ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरुन ग्रीन यहां इंग्लैंड के खिलाफ हुए तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में सिर में गेंद लगने से गंभीर रुप से घायल हो गये। ग्रीन को इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन की एक तेज बाउंसर सीधे हेलमेट पर लग गयी थी। ये गेंद इतनी तेज थी कि हेलमेट का ग्रिल तक टूट गया और ग्रीन के होंठ के आसपास के हिस्से से खून निकलने लगा, जिसके बाद उन्हें तुरंत मैदान से बाहर ले जाया गया। इस मुकाबले में ग्रीन के घायल होकर बाहर होने के बाद ऑस्ट्रेलियाई को 97 रनों से करारी हार भी झेलनी पड़ी। यह हादसा ऑस्ट्रेलिया की पारी के 27वें ओवर की अंतिम गेंद पर हुई। गेंद लगते ही ग्रीन दर्द से कराहते हुए जमीन पर गिर पड़े। जिसके बाद उन्हें तत्काल मेडिकल स्टाफ की सहायता से मैदान से बाहर ले जाया गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने क्रिकेट प्रशंसक ग्रीन को लेकर चिंन्तित हो गये। गौरतलब है कि सिर, चेहरे या गर्दन पर इस तरह की गंभीर चोट लगने के बाद आईसीसी के नियमों के तहत कन्कशन सब्स्टीट्यूट का प्रावधान है। इस नियम के तहत चोटिल खिलाड़ी के स्थान पर उसी तरह के दूसरे खिलाड़ी को खेलने की अनुमति मिल जाती है। इसी नियम का पालन करते हुए ऑलराउंडर ओली पीक को ग्रीन की जगह पर उतारा गया। घटना के समय ग्रीन 11 गेंदों में मात्र 3 रन बनाकर खेल रहे थे और अपनी पारी को आगे बढ़ा ही रहे थे कि यह हादसा हो गया। इस मुकाबले की बात करें तो इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 48.3 ओवर में 328 रन बनाये। बेन डकेट ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 115 गेंदों में 15 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 133 रनों की बेहतरीन शतकीय पारी खेली। उनके अलावा विल जैक्स ने भी 48 गेंदों में 59 रन बनाये। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से जैक एडवर्ड्स ने सबसे अधिक 4 विकेट लिए। इसके बाद 329 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम 46.5 ओवर में केवल 231 रनों पर ही सिमट गई।

कप्तान और कोच निशाने पर आये

पहले टेस्ट में सिराज और जडेजा को शामिल नहीं किये जाने पर प्रशंसक नाराज हुए

एजेंसी ■ वैलिंगटन



भारतीय टीम आज मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में उतरी। टीम में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की जगह पर प्रसिद्ध कृष्णा को शामिल किये जाने पर प्रशंसकों ने नाराजगी जतायी है। इसके अलावा टीम में स्पिनर ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को भी अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली जिससे भी प्रशंसकों का गुस्सा और बढ़ गया। इसके बाद से कप्तान शुभमन गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर प्रशंसकों के निशाने पर हैं।

सोशल मीडिया पर प्रशंसक इस फैसले की कड़ी आलोचना कर रहे हैं, कई यूजर्स का कहना है कि प्रसिद्ध कृष्णा को प्राथमिकता देने के लिए अनुभव और प्रदर्शन की अनदेखी की गई है। प्रशंसक विशेष रूप से सिराज को बाहर करने पर नाराज दिखे। उनका कहना था कि सिराज ने अतीत में अपनी शानदार प्रदर्शन से टीम को कई महत्वपूर्ण जीत दिलाई हैं। प्रशंसकों को याद है कि कैसे सिराज ने शुभमन गिल की पहली टेस्ट कप्तानी सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। पिछले साल इंग्लैंड में खेली गई 5 मैचों की वह सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही थी, और उस सीरीज में सिराज एकमात्र भारतीय तेज गेंदबाज थे जिन्होंने सभी पांचों मैच खेले थे। उन्होंने 23 विकेटों के साथ उस सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लिए थे। ऐसे प्रदर्शन के बाद उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की अंतिम ग्यारह से बाहर कर देना समझ से परे है।

वहीं टॉस के दौरान शुभमन गिल ने इस फैसले को कठिन बताया। उन्होंने कहा, हमारे सभी तेज गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, इसलिए यह काफी मुश्किल फैसला था। हम एक सप्ताह से सोच रहे थे कि किस संयोजन के साथ जाना है। सिराज और वींद्र जडेजा और गुरनूर बरार को बाहर करना कठिन फैसला है। बरार ने एकदिवीसय सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज अवार्ड जीता था। इससे बाद भी हम उन्हें जगह नहीं दे पाये। गौरतलब है कि सिराज का बाहर होना इसलिए भी हैरानी भर है क्योंकि वह आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 (डब्लयूटीसी) चक्र में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने इस चक्र में 11 मैचों की 21 पारियों में 43 विकेट लिए हैं और ओवरऑल सूची में चौथे स्थान पर हैं। उनके बाद रवींद्र जडेजा 21 पारियों में 33 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भी सिराज को नहीं खिलाने के फैसले पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इंग्लैंड सीरीज में सिराज के शानदार प्रदर्शन को याद करते हुए कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया था, और न ही उनकी हालिया फॉर्म में कोई दिक्कत है। इस तरह के मजबूत आंकड़े और निरंतर प्रदर्शन के बावजूद दो प्रमुख खिलाड़ियों को बाहर किए जाने से टीम चयन पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं, और प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि यह फैसला भारतीय टीम के लिए महंगा साबित न हो।

धोनी के इन तीन रिकार्डो की शायद ही कोई बराबरी कर पाये

चेन्नई। आईपीएल टीम चेन्नई सुपरकिंग्स को अपनी कप्तानी में पांच बार खिताब जिताने वाले महेंद्र सिंह धोनी अब हालांकि मेंटर के तौर पर ही मैदान पर नजर आयेंगे पर उनके बनाये तीन रिकार्डो की बराबरी करना किसी भी खिलाड़ी के लिए आसान नहीं होगा। पहला रिकार्ड हैं आईपीएल में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा मैच खेलने का। धोनी एकमात्र खिलाड़ी हैं जिन्होंने 200 से अधिक आईपीएल मैचों में कप्तानी की है। उन्होंने कुल 235 मुकाबलों में टीम की अगुवाई की, जिसमें से 136 में जीत हासिल की और 97 में हार का सामना करना पड़ा। वहीं दो मैचों का कोई परिणाम नहीं निकला। उनकी कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स ने रिकॉर्ड पांच बार आईपीएल का खिताब जीता। मुम्बई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के नाम भी पांच बार आईपीएल खिताब जीतने का रिकार्ड है पर अब वह कप्तान नहीं है। ऐसे में उनके लिए धोनी का रिकार्ड तोड़ना संभव नहीं है। इसके अलावा और कोई भी कप्तान मुकाबले में नहीं है।

वहीं धोनी के नाम दूसरे रिकार्ड विकेटकीपर के तौर पर सबसे ज्यादा शिकार का है। धोनी ने आईपीएल में कुल 201 शिकार किए हैं, जिनमें 154 कैच और 47 स्टंपिंग शामिल हैं। वह एकमात्र विकेटकीपर हैं जिन्होंने 200 से अधिक शिकार किए हैं। वहीं दिनेश कार्तिक और ऋद्धिमान साहा जैसे अनुभवी विकेटकीपर संन्यास ले चुके हैं, जबकि ऋषभ पंत ने अभी तक कुल 111 शिकार ही किए हैं।

56 सरकारी स्कूलों के निर्माण में 4.75 करोड़ की गड़बड़ी का आरोप

बीईओ को चार्जशीट, 15 दिन में मांगा जवाब



वेब वार्ता, भोपाल

56 सरकारी स्कूलों के मरम्मत और निर्माण कार्यों में करीब 4.75 करोड़ रुपए की वित्तीय अनियमितता के आरोप में लोक शिक्षण संचालनालय ने पिपरिया-बनखेड़ी के विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीलाल रघुवंशी पर आरोप पत्र जारी कर 15 दिन में जवाब मांगा है। लोक शिक्षण संचालनालय के आयुक्त ने पिपरिया-बनखेड़ी के विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीलाल रघुवंशी को 56 सरकारी स्कूलों की मरम्मत और निर्माण कार्यों में वित्तीय अनियमितता के मामले में आरोप पत्र जारी किया है। रघुवंशी पर स्कूलों में मरम्मत कार्यों के लिए स्वीकृत करीब 4 करोड़ 75 लाख 46 हजार 234 रुपए के भुगतान में गंभीर गड़बड़ी करने का आरोप है। आयुक्त ने संबंधित अधिकारी से 15 दिन के भीतर लिखित स्पष्टीकरण मांगा है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर एकतरफा कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी गई है।

विभागीय जांच और पंद्रह दिन का समय

गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए आयुक्त ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के नियम 14 के तहत विभागीय जांच प्रस्तावित की है। आरोप पत्र में आहरण-संवितरण अधिकारी के साथ-साथ अधीनस्थ प्राचार्यों की जवाबदेही भी तय की गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित अवधि के भीतर अधिकारी की तरफ से लिखित उत्तर प्राप्त नहीं होता है, तो मामले में एकपक्षीय कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

बीईओ ने आरोपों को किया खारिज

दूसरी ओर विकासखंड शिक्षा अधिकारी एसएल रघुवंशी ने अपने पर लगे सभी आरोपों को गलत बताया है। उनका कहना है कि आरोप पत्र में दर्शाई गई राशि का आंकड़ा वास्तविक स्थिति से मेल नहीं खाता है। उनके अनुसार 56 नहीं बल्कि केवल 30 हाई और हायर सेकंडरी स्कूल हैं और वास्तविक स्वीकृत बजट 2.625 करोड़ रुपए का ही था।

भौतिक सत्यापन के बिना राशि स्वीकृति

जारी आरोप पत्र के अनुसार 56 सरकारी हाई और हायर सेकंडरी स्कूलों में छोटे निर्माण कार्यों के नाम पर बिना किसी भौतिक सत्यापन के एक करोड़ 49 लाख 99 हजार 925 रुपए के भुगतान को स्वीकृति दी गई और यह राशि वितरित भी कर दी गई। इसके अतिरिक्त मरम्मत और अन्य विकास कार्यों के लिए 3 करोड़ 25 लाख 46 हजार 309 रुपए आवंटित किए गए थे।

महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी

» भारत ने मलेशिया को 4-1 से दी शिकस्त
» पहले दिन दिखा हॉकी का जबरदस्त रोमांच



वेब वार्ता, भोपाल

भारत के अलावा चीन और जापान ने भी अपने मुकाबले जीतकर विजयी शुरुआत की। चीन ने थाईलैंड को 7-0 से करारी शिकस्त दी, जबकि जापान ने आखिरी मिनट में गोल दागकर दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराया। भारत ने दूसरे क्वार्टर से बढ़त बनानी शुरू की और आखिरी क्वार्टर तक अपना दबदबा बनाए रखा। भारत की ओर से खान मुमताज, कप्तान सलीमा टेटे, पूजा साहू और लालरेमसियामी ने एक-एक गोल किया। मलेशिया के लिए नुरामीराह जुल्किफ्ली ने एकमात्र गोल दागा। मैच के पहले क्वार्टर में दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं। दूसरे क्वार्टर में मलेशिया ने 19वें मिनट में नुरामीराह के गोल से बढ़त बनाई, लेकिन खान मुमताज ने 19 मिनट 40 सेकंड पर गोल कर भारत को बराबरी दिला दी।

तीसरे क्वार्टर में कप्तान सलीमा टेटे ने 34 मिनट 32 सेकंड और पूजा साहू ने 38 मिनट 50 सेकंड पर गोल कर भारत को 3-1 से आगे कर दिया। चौथे क्वार्टर में लालरेमसियामी ने 48 मिनट 25 सेकंड पर चौथा गोल दागकर भारत की जीत सुनिश्चित कर दी। भारत ने पूरे मुकाबले में 13 पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, जिनमें से तीन को गोल में बदला। टीम ने एक फील्ड गोल भी किया। मलेशिया की टीम को कोई पेनल्टी कॉर्नर नहीं मिला। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने घरेलू मैदान पर अपने प्रदर्शन से दर्शकों को उत्साहित किया।

आतिशबाजी के बीच सीएम डॉ. यादव ने किया आगाज

महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी 2026 में मेजबान भारतीय टीम ने जीत के साथ अपने अभियान का शानदार आगाज किया। भोपाल के बरखेड़ा नाथू स्थित हॉकी स्टेडियम में खचाखच भरे दर्शकों के सामने भारतीय बेटियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए मलेशिया को 4-1 से शिकस्त दी। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भव्य समारोह और आतिशबाजी के बीच टूर्नामेंट की आधिकारिक शुरुआत की। उद्घाटन के पहले दिन हॉकी का जबरदस्त रोमांच देखने को मिला।



चीन के आगे बेबस दिखा थाईलैंड

पहले मुकाबले में चीन की टीम ने शुरुआत से ही थाईलैंड पर दबाव बनाए रखा। हालांकि पहले क्वार्टर में दोनों टीमें गोल करने में नाकाम रहीं और स्कोर 0-0 रहा, लेकिन दूसरे क्वार्टर में चीन ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए दो गोल दाग दिए। मैच के 27वें मिनट में फेंग किंगमियाओ ने फील्ड गोल कर चीन का खाता खोला। इसके ठीक एक मिनट बाद डेंग क्यूचान ने दूसरा गोल दागकर टीम की बढ़त 2-0 कर दी। हाफ टाइम तक चीन इसी बढ़त के साथ मजबूत स्थिति में पहुंच गया था। तीसरे क्वार्टर में चीन ने मुकाबले को पूरी तरह एकतरफा बना दिया। 32वें मिनट में फेंग किंगमियाओ ने पेनल्टी कॉर्नर पर अपना दूसरा गोल किया। इसके अगले ही मिनट कप्तान वेई किक्सियाओ ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया। 38वें मिनट में चेन युजुन ने फील्ड गोल किया, जबकि 42वें मिनट में डेंग क्यूचान ने अपना दूसरा गोल दागकर स्कोर 6-0 कर दिया। 59वें मिनट के करीब झांग हेयांग ने पेनल्टी कॉर्नर पर सातवां गोल दागकर टीम की 7-0 से जीत पक्की कर दी। चीन की ओर से डेंग क्यूचान और फेंग किंगमियाओ ने दो-दो गोल किए, जबकि वेई किक्सियाओ, चेन युजुन और झांग हेयांग ने एक-एक गोल का योगदान दिया। चीन ने मुकाबले में कुल 10 पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए और तीन को गोल में बदला। दूसरी ओर थाईलैंड की टीम पूरे 60 मिनट में एक भी गोल नहीं कर सकी।



पेनल्टी कॉर्नर का कन्वर्जन रेट सुधारना होगा

महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने मलेशिया के खिलाफ जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की, लेकिन टीम के पेनल्टी कॉर्नर कन्वर्जन रेट ने चिंता बढ़ाई है। भारत को मिले 13 पेनल्टी कॉर्नर में से टीम सिर्फ एक को गोल में बदल सकी। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व ओलंपियन समीर दाद ने मैच के बाद इस प्रदर्शन का विश्लेषण करते हुए कहा कि टूर्नामेंट में आगे चीन और जापान जैसी मजबूत टीमों से मुकाबला होना है। ऐसे में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने की क्षमता में सुधार करना जरूरी होगा। उन्होंने कहा कि आगे के मुकाबलों में भारत को पेनल्टी कॉर्नर का कन्वर्जन प्रतिशत बढ़ाना होगा, क्योंकि चीन और जापान जैसी टीमों के खिलाफ ऐसे मौके गंवाना भारी पड़ सकता है।

जापान ने दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराया

दिन के दूसरे मुकाबले में जापान और दक्षिण कोरिया के बीच जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला। दोनों टीमों ने मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया और एक-दूसरे को गोल करने का कोई आसान मौका नहीं दिया। पहले तीनों क्वार्टर में मुकाबला गोलरहित रहा। जापान ने आक्रमण में लगातार दबाव बनाया और पेनल्टी कॉर्नर के कई मौके हासिल किए, लेकिन दक्षिण कोरिया की रक्षापंक्ति और गोलकीपर ने शानदार बचाव किया। चौथे क्वार्टर में भी मुकाबला बराबरी पर बना रहा और ऐसा लग रहा था कि मैच का फैसला ड्रॉ से होगा।

भोपाल आज का तापमान
MIN 18 MAX 29

ब्रीफ न्यूज

पत्नी और सास पर ब्लेड से हमला करने वाले को जेल

भोपाल। पारिवारिक विवाद में पत्नी और सास पर ब्लेड से हमला करने वाले आरोपी पति विशाल गौर को अपर सत्र न्यायाधीश सुचिता श्रीवास्तव की कोर्ट ने सुनवाई पुरी होने के बाद दोषी करार देते हुए 7 साल के कठोर कारावास और 7 हजार रुपए के अर्थदण्ड की सजा से दण्डित किये जाने का फैसला सुनाया है। 5 जनवरी 2022 को थाना अवधपुरी इलाके में आरोपी विशाल गौर रामनगर कॉलोनी स्थित ससुराल पहुंचा था। वहां पारिवारिक बातों को लेकर पत्नी और सास से विवाद हो गया। आरोपी ने पीछे से पत्नी पर ब्लेड से हमला कर दिया और उसे बचाने आई सास पर भी हमला कर उसे घायल कर दिया था।

पत्नी से विवाद के चलते पति ने जहर खाकर दी जान

भोपाल। शहर के बजरिया थाना इलाके में रहने वाले युवक ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। शुरुआती जांच में मृतक का अपनी पत्नी से विवाद होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। विक्रम सिंह ठाकुर पुत्र शेर सिंह (40) करारिया फार्मस में रहता था। उसका कई दिनों से अपनी पत्नी से विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते विक्रम ने अपने घर जहर खा लिया था।

सास-बहू, देवरानी-जिठानी और मां-बेटी करेंगी रैंप वॉक

■ 13 कैटेगरी में होगा चित्रांश प्रतिभाओं का सम्मान, कायस्थम के राज्य स्तरीय आयोजन

वेब वार्ता, भोपाल

कायस्थ समाज की अग्रणी संस्था कायस्थम मध्यप्रदेश हर साल की तरह आगामी 17 जनवरी को कायस्थम-27 का आयोजन करेगा। इस बार कायस्थम के आयोजन में परिधानम के स्थान पर कायस्थ परिवार की महिलाओं में आपसी रिश्तों की मधुरता और गरिमा देखने को मिलेगी। कायस्थम ने समाज को प्रेरणा देने के लिए ऐसे रिश्तों पर आधारित चित्रांश महिलाओं की तीन विभिन्न प्रतियोगिताएं रखी हैं। इनमें मां-बेटी के अटूट संबंधों पर आधारित 'मेरी बेटी मेरा अभिमान, 'सास-बहू के रिश्तों में शहद सा रस घोलती' सासु मां तथा देवरानी-जिठानी के आपसी मित्रतापूर्ण मधुर रिश्तों पर आधारित 'सखी' प्रतियोगिताएं होगी। जिसमें वे मंच पर रैंप वॉक कर एक साथ अपनी प्रस्तुति देंगी। प्रतियोगिता में उनकी अभिव्यक्ति, पारंपरिक पोशाक और आपसी रिश्तों की मिठास का मंच पर प्रदर्शन होगा, जो समाज के लिए भी प्रेरणादायी रहेगा। कायस्थम ने तीनों प्रतियोगिताओं के लिए चित्रांश महिलाओं से प्रविष्टि प्राप्त करना शुरू कर दिया है। जिसकी अंतिम तिथि आगामी 25 नवंबर निर्धारित की गई है। इन तीनों प्रतियोगिताओं में प्रत्येक में प्रथम, द्वितीय, तृतीय विजेताओं को पुरस्कार के अलावा सभी प्रतिभागी महिलाओं को उपहार भी भेंट किए जाएंगे। समय की कमी को देखते हुए प्रत्येक प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए स्थान सीमित रखे गए हैं। जिसके अनुसार प्रति प्रतियोगिता में 15-15 चित्रांश महिलाओं की जोड़ियां स्टेज पर रैंप वॉक करेंगी। कायस्थम-27 का आयोजन स्थानीय रवींद्र भवन में शाम 4 बजे से होगा।

17 जनवरी को कायस्थम-27 का आयोजन

खजूरीकलां और करोंद में कार्रवाई

भोपाल में डेवलप हो रही अवैध कॉलोनियों पर चली जेसीबी



भोपाल। भोपाल के खजूरीकलां और करोंद में डेवलप हो रही अवैध कॉलोनियों पर गुरुवार को जेसीबी चली। नगर निगम की टीम ने सड़कें उखाड़ दी और बाउंड्रीवॉल भी तोड़ दी। जमीन की कीमत करोड़ों रुपए बताई जा रही है। पहली कार्रवाई खजूरीकलां स्थित खसरा क्रमांक-166 के अंश भाग में की गई। इस पर एसआर ग्रीन कॉलोनी विकसित हो रही है। निगम अफसरों का कहना है कि बिना अनुमति के कॉलोनी बनाई जा रही है, जबकि यहां से मास्टर प्लान की सड़क प्रस्तावित है। जिसका क्षेत्रफल लगभग 1 एकड़ है। इसकी बाजार कीमत 1 करोड़ रुपए आंकी गई है। खजूरीकलां में कार्रवाई के दौरान हड़कंप की स्थिति बन गई। निगम ने जेसीबी की मदद से निर्माण कार्य ध्वस्त किए। करोंद के पलाशी क्षेत्र में भी करीब 25 एकड़ जमीन पर बिना अनुमति किए जा रहे निर्माण पर जेसीबी चलाई गई।

■ 1075 पेटी लेकर पुलिस को देखकर भाग रहा था ट्रक चालक ■ कार को टक्कर मारते हुए निकला

भोपाल में 96 लाख रुपए की अवैध शराब जब्त

वेब वार्ता, भोपाल

भोपाल में अवैध शराब के परिवहन के खिलाफ निशातपुरा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 1075 पेटी अंग्रेजी शराब से भरा आयशर ट्रक जब्त किया है। जब्त शराब की कीमत करीब 96 लाख रुपए और ट्रक की कीमत करीब 20 लाख रुपए बताई गई है। ट्रक चालक ने करोंद चौराहे पर पुलिस को देखकर वाहन नहीं रोका और भागने के दौरान आधार अस्पताल के पास एक कार को टक्कर मार दी। पुलिस टीम ने पीछा कर पीपुल्स मॉल के पास ट्रक को पकड़ लिया। तलाशी में करीब 9700 लीटर शराब मिली। चालक के पास शराब के क्रय-विक्रय और परिवहन से जुड़े दस्तावेज नहीं थे। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है।



1075 पेटियों में मिली ब्लैक फोर्ट प्रीमियम रम

ट्रक की तलाशी लेने पर उसमें अंग्रेजी शराब की 1075 पेटियां मिलीं। इनमें ब्लैक फोर्ट प्रीमियम रम की 90, 180 और 750 एमएल की बोतलें थीं। पुलिस ने कुल करीब 9700 लीटर शराब जब्त की है। चालक शराब के क्रय-विक्रय और परिवहन से संबंधित कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सका।

रायसेन की डिस्टलरी का नाम, चालक गिरफ्तार

ट्रक में रखी प्रत्येक पेटी पर एसओएम डिस्टिलरीज एंड ब्रुअरीज लिमिटेड, ग्राम रोजराचक, जिला रायसेन (मप्र) का नाम अंकित था। पुलिस ने ट्रक क्रमांक एमपी 04 वाईजेड-9902 को भी जब्त कर लिया है। मामले में गिरफ्तार चालक की पहचान राम किशन बमोरिया (38), निवासी मंडीदीप, जिला रायसेन के रूप में हुई है।

फेस डिटेक्शन व पुराने आधार फोटो का फंसा पेंच

■ लाइसेंस के लिए 90 फीसदी घटा काम
■ भर्ती अभ्यर्थियों की बढ़ी चिंता

वेब वार्ता, भोपाल



लर्निंग लाइसेंस की प्रक्रिया में आए तकनीकी बदलाव और पोर्टल की अड़चनों ने आवेदकों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सबसे बड़ी चिंता उन युवाओं के लिए खड़ी हो गई है, जिन्हें पुलिस भर्ती समेत अन्य नौकरियों के आवेदन के लिए तय समय में लर्निंग लाइसेंस की जरूरत है। प्रक्रिया अटकने से अभ्यर्थियों के सामने भर्ती के आवेदन से वंचित होने का खतरा बना हुआ है। एनआईसी द्वारा 26 अक्टूबर को किए गए सॉफ्टवेयर अपडेशन के बाद से पूरी प्रणाली बदल चुकी है। पहले आवेदक घर बैठे मोबाइल से ही आसानी से लर्निंग लाइसेंस बनवा लेते थे, लेकिन अब यह सुविधा लगभग खत्म हो गई है। नए सिस्टम के तहत आवेदन करने के लिए वेबकैम, कंप्यूटर या लैपटॉप जरूरी कर दिया गया है और ऐप डाउनलोड करने के बाद लाइव फोटो लेकर एआई आधारित फेस डिटेक्शन से चेहरे का मिलान किया जाता है।

इस नई व्यवस्था में आवेदकों के आधार कार्ड में दर्ज बचपन या कई साल पुरानी फोटो सबसे बड़ी रुकावट बन रही है। मौजूदा चेहरा सॉफ्टवेयर से मैच न होने के कारण आवेदन आगे नहीं बढ़ पा रहा, जिससे लोगों को एमपी ऑनलाइन केंद्रों से लेकर आरटीओ कार्यालय तक भटकना पड़ रहा है। कुछ चुनिंदा जगहों पर ही काम हो पाने से आवेदकों को 200 से 300 रुपए अतिरिक्त भी खर्च करने पड़ रहे हैं। इसका सीधा असर आरटीओ के कामकाज पर भी पड़ा है। भोपाल आरटीओ में जहां पहले रोजाना करीब 175 से 200 लर्निंग लाइसेंस बनते थे, वहीं नए सिस्टम के बाद यह संख्या घटकर महज 20 से 25 तक सिमट गई है, यानी इसमें करीब 90 फीसदी की कमी आई है।

भोपाल में एमडी ड्रग्स बेचने पहुंचे दो युवक गिरफ्तार

■ 2.46 ग्राम एमडी के साथ बाइक और मोबाइल जब्त
■ 2.50 लाख का माल मिला

वेब वार्ता, भोपाल

भोपाल में एमडी ड्रग्स बेचने पहुंचे दो युवकों को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। दोनों बुधवार रात कमला नगर थाना क्षेत्र में खुशीलाल अस्पताल के पास खाली मैदान में मोटरसाइकिल पर बैठकर ग्राहक का इंतजार कर रहे थे। मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। तलाशी में दोनों के पास से कुल 2.46 ग्राम एमडी ड्रग्स मिली। पुलिस ने बाइक और मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। जब्त मशरूके की कुल कीमत करीब 2.50 लाख रुपए बताई गई है। गुरुवार को क्राइम ब्रांच ने मामले का खुलासा किया। उनकी पहचान सतनाम भाटिया उर्फ सरदार (25), निवासी कैंची छोला और दर्शन दवे (23), निवासी राजेंद्र नगर कॉलोनी के रूप में हुई। सतनाम की जेब से सफेद पदार्थ मिला। वहीं, दर्शन के पास इसी तरह का पदार्थ रखा था।



एक आरोपी पर पहले से एनडीपीएस का केस

पुलिस के अनुसार, सतनाम भाटिया के खिलाफ क्राइम ब्रांच में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 और 29 के तहत पहले भी अपराध दर्ज है। वहीं, दर्शन दवे के खिलाफ बजरिया थाने में चोरी और चोरी का माल रखने से संबंधित धाराओं में केस दर्ज होने का रिकॉर्ड है। इस बार दोनों के खिलाफ क्राइम ब्रांच थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 और 29 के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है।

सीलिंग सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई 23 नवंबर को, 10 दिन में बंद करने की चेतावनी

निगम की कार्रवाई: रहवासी इलाकों में कारोबार-तीसरे दिन भी एक्शन

वेब वार्ता, भोपाल

भोपाल के रहवासी इलाकों में कारोबार के मामले में 23 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले नगर निगम सख्ती बरत रहा है। पिछले 2 दिन में करीब 2041 नोटिस दिए जा चुके हैं। जिसमें 10 दिन के अंदर प्रतिष्ठान बंद करने की चेतावनी दी गई है, जबकि लगभग 340 प्रतिष्ठान सील किए जा चुके हैं। गुरुवार को भी कार्रवाई की जा रही है। हालांकि, इस सीलिंग की कार्रवाई को रहवासी खानापूर्ति बता रहे हैं। बुधवार को गौतम नगर इलाके में एक मेडिकल स्टोर को सील करने में सफेद रंग की टैप का इस्तेमाल किया गया। याचिकाकर्ता विवेक त्रिपाठी का कहना है कि यह कार्रवाई के नाम पर मजाक है। अवैध संस्थान के ताले पर टैप लगाया, फोटो खींची, नोटिस दिया और खानापूर्ति कर दी गई। शहर में इस तरह से कार्रवाई की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई में यह जानकारी रखेंगे। निगम अफसरों के अनुसार, पूर्व में जिन दुकानदारों को नोटिस दिए थे और उन्होंने अपने प्रतिष्ठान बंद नहीं किए, उन्हें सील करने की कार्रवाई की जा रही है। दो दिन में करीब 340 प्रतिष्ठान सील किए जा चुके हैं। वहीं, सभी विधानसभा में दो हजार से ज्यादा नोटिस देने की कार्रवाई हो चुकी है। इन्हें 10 दिन के अंदर प्रतिष्ठान बंद करने को कहा गया है। वरना सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी।



व्यापारी बोले- सीलिंग की कार्रवाई तुरंत बंद हो

नगर निगम की इस कार्रवाई के विरोध में व्यापारी विरोध में उतर आए हैं। भोपाल व्यापारी महासंघ के अध्यक्ष आनंद सोनी ने कहा कि सीलिंग की कार्रवाई तुरंत बंद हो। वर्तमान में भोपाल मास्टर प्लान का ड्राफ्ट आ चुका है। उस पर सुनवाई भी चल रही है। इस ड्राफ्ट के अनुसार जो व्यक्ति उसमें एडजस्ट हो गया है, अब उन पर कार्रवाई नहीं होना चाहिए। शादी का सीजन है। व्यापारी और ग्राहक दोनों ही परेशान हो रहे हैं।

याचिकाकर्ता बोले- पहले भी हो चुकी दिखावी कार्रवाई

इस मामले में याचिकाकर्ता त्रिपाठी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में सीलिंग मामले की सुनवाई 23 नवंबर को होनी है। इससे पहले नगर निगम ने दिखावे की कार्रवाई शुरू की है। पहले भी ऐसी कार्रवाई हो चुकी है, लेकिन बाद में सभी प्रतिष्ठान खुल गए।

ऐसे चली कार्रवाई... अगस्त में नोटिस, सीलिंग... खुले प्रतिष्ठान

बता दें कि भोपाल के रहवासी इलाकों में 62 हजार 500 प्रतिष्ठान हैं। 5 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद नगर निगम ने पूरे शहर में ऐसे प्रतिष्ठानों को नोटिस दिए थे, जो आवासीय क्षेत्र में चल रहे थे। करीब 15 दिन तक नोटिस देने का दौर चला। इस दौरान लिस्टेड 62 हजार 500 में से 8084 प्रतिष्ठानों को नोटिस दिए गए थे। फिर 3 दिन तक 190 प्रतिष्ठान बंद किए थे। हालांकि ये बंद किए गए प्रतिष्ठान फिर से खुल गए। वर्तमान में भी इनमें कारोबार हो रहा है। इन्हें फिर से बंद करने की कार्रवाई शुरू की गई है।

टीबी ने छीना रोजगार, तनाव में 45 साल के चालक ने लगाई फांसी

वेब वार्ता, भोपाल

राजधानी के आनंद नगर स्थित गुप्ता कॉलोनी में गुरुवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक 45 वर्षीय व्यक्ति का शव कमरे में फंदे पर लटका मिला। मृतक की पहचान राजेश ठाकुर के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक, राजेश लंबे समय से टीबी की गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे और बीमारी के कारण कामकाज बंद होने से गहरे तनाव में थे। सूचना पर पहुंची पिपलानी थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस व परिजनों के अनुसार, राजेश ठाकुर जयपुर में ड्राइवरी का काम करते थे, लेकिन टीबी से पीड़ित होने के बाद से वे काम पर नहीं जा पा रहे थे और घर पर ही रह रहे थे। बुधवार रात राजेश ने परिवार के सदस्यों के साथ बैठकर खाना खाया और फिर अपने कमरे में सोने चले गए। गुरुवार तड़के जब परिजन कमरे में पहुंचे, तो उन्हें फंदे पर लटका देख परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने आशंका जताई है कि बीमारी से परेशान होने और आजीविका का साधन रुकने से उपजे मानसिक तनाव के चलते राजेश ने यह कदम उठाया। घटनास्थल से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

मानसिक तनाव के चलते उठाया कदम

स्वामी, प्रकाशक: अली आदिल खान द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85, सेक्टर-8, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर 201301 से मुद्रित और एच-41ए, अबुल फज़ल एन्क्लेव, जामिया नगर, दक्षिण पूर्व दिल्ली-110025 से प्रकाशित। संपादक: अली आदिल खान
RNI No: DELMUL/2012/47011 | Email :timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायलय के अधीन होंगे।